■ वैशाख शुक्ल - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 293 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 21-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सहानुभूति हासिल करने के लिए केजरीवाल पर हमला करा सकती है आप : भाजपा

6 जरूरी है आतंकवाद के फन को कुचलना

7 'जुबली टॉकीज़ शोहरत-शिद्दत-मोहबत' में नजर आएंगी खुशी दुबे

फर्स्ट टेक

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड ने संसद में विश्वास मत हासिल किया

काठमांडू/भाषा। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने सोमवार को संसद में विश्वास मत हासिल कर लिया, जो उनके पदभार संभालने के 18 महीने के भीतर चौथा शक्ति परीक्षण था। विश्वासमत हासिल करने के बाद प्रचंड नेपाल में लगातार सत्ता संघर्षों के बीच राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने का प्रयास करते हुए गठबंधन सरकार का नेतृत्व करते रहेंगे। नेपाल की प्रतिनिधि सभा (एचओआर) में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर)' के नेता प्रचंड (69) को 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 157 वोट मिले। सरकार को विश्वास मत हासिल करने के लिए कम से कम 138 मतों की आवश्यकता थी।

चीन के प्राथमिक स्कूल में चाकू से हमला, दो की मौत, 10 घायल

बीजिंग/भाषा। पूर्वी चीन के जियांग्शी प्रांत में सोमवार को एक प्राथमिक विद्यालय में एक महिला ने लोगों पर चाकू से हमला किया जिससे दो लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। इस महीने चीन में चाकू से हमले की यह दूसरी घटना है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि यह घटना गुईशी शहर में हुई और पुलिस ने 45 वर्षीय आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है। अधिकारियों के अनुसार इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। स्थानीय लोक सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि घायलों को इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान बचने की कोशिश कर रहे छह लोग मामूली रूप से घायल हो गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले में आगे की जांच जारी है।

भारतीय नौसेना के जहाज समुद्री सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से फिलिपीन की यात्रा पर

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना के तीन जहाज फिलिपीन के साथ समुद्री सहयोग और मजबूत करने के उद्देश्य से इस दक्षिण-पूर्व एशियाई देश की यात्रा पर हैं। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि उनकी यात्रा दक्षिण चीन सागर में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की ''परिचालन संबंधी तैनाती'' का हिस्सा है। नौसेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय नौसैन्य पोत – आईएनएस दिल्ली, आईएनएस शक्ति और आईएनएस किल्टन रविवार को मनीला पहुंचे। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य दीर्घकालीन मित्रता और समुद्री सहयोग को और मजबूत करना है।

21-05-2024 सूर्यास्त 6:39 बजे | 22-05-2024 सूर्योदय 5:53 बजे

BSE	NSE
74,005.94 (+98.15)	22,502.00 (+98.15)

सोना	चांदी
7,498 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	86,638 रु. प्रति किलो

पांचवें चरण में मतदान 60.09 प्रतिशत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लोक सभा चुनाव 2024

पांचवें चरण में ओडिशा विधान-सभा चुनाव के दूसरे चरण में 35 सीटों पर भी मतदान कराया गया, जिसमें इन सीटों के 60.70 प्रतिशत मतदाताओं ने भाग लिया।

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में सोमवार रात 11:30 बजे तक 60.09 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया जो 2019 के संसदीय चुनावों में इस चरण की तुलना में 4.07 प्रतिशत कम है। जम्मू-कश्मीर की बारामूला सीट पर अब तक का सबसे अधिक मतदान हुआ।

पांचवें चरण में पश्चिम बंगाल में छिटपुट हिंसा और कुछ बूथ पर ईवीएम में खराबी की घटनाएं भी सामने आईं। इसके अलावा ओडिशा में ईवीएम में खराबी जबकि महाराष्ट्र में धीमे मतदान की खबरें मिलीं। निर्वाचन आयोग के मतदान प्रतिशत ऐप के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 73.14 प्रतिशत जबकि महाराष्ट्र में सबसे कम 53.51 फीसद मतदान हुआ। मुंबई की छह लोकसभा सीट पर 46 से 54 प्रतिशत तक मतदान हुआ। ठाणे में 49.81 प्रतिशत वोटिंग हुई।

जम्मू-कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी.के. पोल ने कहा कि कभी आतंकवाद से प्रभावित रहे जम्मू-कश्मीर के बारामूला लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में अब तक का सबसे अधिक 59 प्रतिशत मतदान हुआ।

अन्य राज्यों में, बिहार में 53.78 प्रतिशत, झारखंड में 63.06 प्रतिशत, ओडिशा में 62.23 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 57.79 प्रतिशत और लद्दाख में 68.47 प्रतिशत मतदान हुआ। निर्वाचन आयोग ने कहा कि आंकड़े अनुमानित रुझान हैं क्योंकि डेटा अब भी एकत्रित किया जा रहा है। रात करीब 10 बजे आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक, अनुमानित मतदान प्रतिशत 59.06 था।

इस बीच, निर्वाचन आयोग ने सोमवार को इस बात पर अफसोस जताया कि मुंबई, ठाणे, नासिक और लखनऊ जैसे विभिन्न शहरों के निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान को लेकर उदासीनता की प्रवृत्ति जारी रही जैसी 2019 के संसदीय चुनावों में देखी गई थी। हालांकि, आयोग ने कहा कि मुंबई में मशहूर हस्तियों और आम नागरिकों ने धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करके मतदान किया।

ईडी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर दावा किया

'आप' ने विदेश से सात करोड़ रुपए का कोष हासिल किया

आम आदमी पार्टी ने एफसीआरए का उल्लंघन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर दावा किया कि दिल्ली और पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने एफसीआरए का उल्लंघन कर विदेश से सात करोड़ रुपए से अधिक का विदेशी कोष हासिल किया है। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पंजाब में 'आप' के पूर्व विधायक सुखपाल सिंह खैरा और अन्य के खिलाफ मादक पदार्थ से जुड़े धन शोधन के मामले की जांच के तहत कुछ दस्तावेज व ईमेल मिलने के बाद ईडी ने यह पत्र मंत्रालय को लिखा है। यह जांच 2021 में शुरू हुई थी और ईडी ने खैरा को तभी गिरफ्तार कर लिया था। वह अब कांग्रेस में हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने पिछले साल अगस्त में केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक विस्तृत पत्र भेजा था जिसमें 'आप' द्वारा नियमों के कथित उल्लंघन को रेखांकित किया गया है और इसे विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (फेरा) और जनप्रतिनिधि कानून के उल्लंघन की श्रेणी में रखा गया है। माना जाता है कि ईडी ने हाल में इस मामले से संबंधित कुछ नई जानकारियां गृह मंत्रालय के साथ साझा की हैं। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने पाया कि 'आप' को अब तक लगभग 7.08 करोड़ रुपए का विदेशी चंदा मिला है और उसने कुछ अन्य विवरणों के अलावा विदेशी दानदाताओं की पहचान और राष्ट्रीयता की कथित तौर पर गलत घोषणा की है और उनकी पहचान में हेरफेर की है।

इस्लामिक स्टेट से जुड़े श्रीलंका के चार नागरिक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने प्रतिबंधित संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) से संबंध रखने के आरोप में चार श्रीलंकाई नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक श्रीलंका के ये नागरिक कथित तौर पर भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के मिशन पर थे।

एक अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एटीएस ने रविवार रात को सरदार वल्लभाई पटेल हवाई अड्डे पर आतंकवादियों को पकड़ लिया। ये लोग श्रीलंका की राजधानी कोलंबो से चेन्नई होते हुए अहमदाबाद पहुंचे थे।

गुजरात के पुलिस महानिदेशक विकास सहाय ने कहा कि ये लोग आईएस के आदेश पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भारत आए थे। सहाय ने कहा कि एटीएस की टीम ने आरोपियों के पास से जब्त किए गए मोबाइल फोन में मिली जानकारी और तस्वीरों के आधार पर शहर के नाना चिलोडा इलाके में एक स्थान पर लावारिस पड़ी पाकिस्तान निर्मित तीन पिस्तौल और 20 कारतूस भी बरामद किए हैं।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि उन्हें उनके पाकिस्तानी आकाओं ने हथियारों को इकट्ठा करने का निर्देश दिया था।

आरोपियों की पहचान मोहम्मद नुसरत (35), मोहम्मद फारूख (35), मोहम्मद नफरान (27) और मोहम्मद रासदीन (43) के रूप में की गई है।

पाकिस्तान से समर्थन जुटाने के लिए राष्ट्रीय हितों को प्रभावित होने देती है कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर चुनावी फायदे के लिए पाकिस्तान के नेताओं से समर्थन जुटाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब पाकिस्तान से सौदेबाजी की बात आती है तो विपक्षी पार्टी अक्सर राष्ट्र हित को प्रभावित होने देती है।

मोदी ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को दिए विशेष साक्षात्कार के दौरान, पुलवामा में 2019 में हुए आतंकी हमले के जवाब में वायु सेना द्वारा बालाकोट में की गई सर्जिकल स्ट्राइक की कार्रवाई पर सवाल उठाने वाले कांग्रेस नेताओं के बयानों के लिए भी पार्टी को आड़े हाथ लिया। भारत में चुनाव को लेकर पाकिस्तान के नेताओं के बयानों के संबंध में एक सवाल का जवाब देते हुए मोदी ने कहा, खैर, पाकिस्तान के नेता कांग्रेस पार्टी के 'शहजादे' का समर्थन करके भारत के चुनावी विमर्श में प्रवेश कर रहे हैं।

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक वीडियो साझा किया था और उनकी प्रशंसा की थी। प्रधानमंत्री ने कहा, शायद कांग्रेस पार्टी को लगता है कि इस तरह समर्थन जुटाने से उसे फायदा होगा। इस तरह वे जमीनी हकीकतों से कटे हुए हैं। इसके अलावा, यह भी स्पष्ट है कि पाकिस्तान में ऐसे लोग क्यों सोचते हैं कि कांग्रेस उनके लिए अच्छी है। कांग्रेस ने अक्सर पाकिस्तान के मामले में हमारे राष्ट्रीय हित को प्रभावित होने दिया है। मोदी ने कांग्रेस के कुछ नेताओं के बयानों का उल्लेख किया।

जम्मू कश्मीर के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के वादे पर कायम रहेंगे

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार ने जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का 'पवित्र वादा' किया है और वह इस पर कायम रहेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र इस बाबत सही परिस्थितियां बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। श्रीनगर में रिकॉर्ड मतदान को अपने कार्यकाल में देखी गई 'सबसे संतुष्टिदायक चीजों' में से एक बताते हुए मोदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर के लोगों ने क्षेत्र में लोकतंत्र को बढ़ाने के लिए राजग सरकार की प्रतिबद्धता को देखा है, भले ही हमें इसके लिए सत्ता छोड़नी पड़ी हो।

मोदी ने रविवार रात यहां 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, हमने पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का पवित्र वादा किया है और हम इस पर कायम हैं। हम सही परिस्थितियां बनाने के लिए परिश्रम कर रहे हैं ताकि यह काम तेजी से किया जा सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया ने जी20 के समारोहों के दौरान दुनियाभर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत करने में जम्मू कश्मीर के लोगों का उत्साह देखा। उन्होंने कहा, पिछले पांच वर्ष में जम्मू कश्मीर ने जो प्रगति की है, उससे मुझे बहुत उम्मीद है कि हम राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए सही रास्ते पर हैं। मोदी ने कहा, हम ऐसा जम्मू कश्मीर बनाना चाहते हैं जहां हिंसा की बात इतिहास बन जाए और समृद्धि ही नियति बन जाए। यह कश्मीर के लिए हमारी दीर्घकालिक रणनीति है। हमारी आकांक्षा है कि जम्मू कश्मीर को संस्कृति, ज्ञान और पर्यटन के केंद्र के रूप में उसका दर्जा फिर से मिले और वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी भावी प्रौद्योगिकियों का केंद्र बने।

आईसीसी अभियोजक ने नेतन्याहू के साथ ही इजराइल और हमास नेताओं के गिरफ्तारी वारंट का अनुरोध किया

हेग/एपी। अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत (आईसीसी) के मुख्य अभियोजक करीम खान ने सोमवार को कहा कि वह इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सहित इजराइल और हमास के नेताओं के लिए सात महीने के युद्ध के दौरान उनके कृत्यों के संबंध में गिरफ्तारी वारंट का अनुरोध कर रहे हैं।

करीम खान ने कहा कि उनका मानना है कि नेतन्याहू, उनके रक्षा मंत्री योव गैलेंट और हमास के तीन नेता – येह्या सिनवार, मोहम्मद दीफ और इस्माइल हनियेह – गाजा पट्टी और इजराइल में युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं।

खान ने इजराइली कार्रवाइयों के बारे में एक बयान में कहा कि गाजा की नागरिक आबादी के खिलाफ अन्य हमलों और सामूहिक दंड के साथ ही युद्ध की एक विधि के रूप में भुखमरी का इस्तेमाल करने का असर साफ तौर पर नजर आता है।

उच्चतम न्यायालय ने नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने भारत की दंड संहिताओं में आमूलचूल परिवर्तन लाने वाले तीन नए कानूनों को लागू करने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से सोमवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की अवकाशकालीन पीठ ने याचिकाकर्ता एवं वकील विशाल तिवारी को याचिका वापस लेने की अनुमति दी। लोकसभा ने पिछले साल 21 दिसंबर को तीन नए विधेयकों –भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक को पारित कर दिया था और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन विधेयकों को स्वीकृति दे दी थी। ये तीनों नए कानून भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लेंगे।

सुनवाई की शुरुआत में पीठ ने तिवारी से कहा, हम इसे (याचिका) खारिज कर रहे हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समझ सूत्र

केवल अच्छा वक्ता होना,
ना है अच्छाई का सबूत।
वादों के झूठे अमृत से,
जिंदा ना होते कभी भूत।
सच के चरखे पर ही कतता,
सत्ता के सुख का दीर्घ सूत।
सबका ही साथ जरूरी है,
ना होता कोई भी अछूत।।

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के शिष्य और ईरान-इराक युद्ध के अंत में 1988 में हजारों राजनीतिक कैदियों को सामूहिक फांसी दिए जाने में शामिल रहे ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की सोमवार को एक हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई। वह 63 वर्ष के थे।

राष्ट्रपति रईसी के नेतृत्व में ईरान ने हथियार बनाने के आवश्यक स्तर तक यूरेनियम संवर्धन किया एवं देश ने इजराइल पर बड़े पैमाने पर ड्रोन एवं मिसाइल हमले किए।

उत्तर-पश्चिमी ईरान में रविवार को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में रईसी के साथ ईरान के विदेश मंत्री और अन्य अधिकारियों की ऐसे समय में अचानक मौत हो गई जब ईरान आंतरिक असंतोष और दुनिया के कई देशों के साथ अपने संबंधों को लेकर संघर्ष कर रहा है। मौलवी रईसी ने एक बार संयुक्त राष्ट्र में दुनिया को संबोधित करने से पहले इस्लाम में पवित्र मानी जाने वाली पुस्तक कुरान को चूमा था और एक नेता के बजाय एक उपदेशक की तरह अपनी बात रखी थी। रईसी 2017 में अपेक्षाकृत उदारवादी नेता हसन रूहानी के हाथों राष्ट्रपति चुनाव हार गए थे लेकिन चार साल बाद वह सत्ता में आए। इस चुनाव में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने बहुत सोच-समझकर मतदान का प्रबंधन किया ताकि रईसी के खिलाफ कोई बड़ा उम्मीदवार खड़ा नहीं हो सके। रईसी ऐसे समय में राष्ट्रपति बने, जब वैश्विक शक्तियों और रूहानी के बीच हुआ परमाणु समझौता अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पीछे हटने के कारण असफल हो गया था।

केंद्र सरकार ने आज राजकीय शोक की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के सम्मान में मंगलवार को पूरे भारत में एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की। पूरे भारत में उन सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां इसे नियमित रूप से फहराया जाता है और राजकीय शोक की अवधि के दौरान मनोरंजन वाला कोई आधिकारिक कार्यक्रम नहीं होगा।

प्रथम उपराष्ट्रपति मोखबर कार्यवाहक राष्ट्रपति बने

दुबई/एपी। ईरान के सर्वोच्च नेता ने हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत हो जाने के मद्देनजर प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर को देश का कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया है। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने रविवार को रईसी के निधन के बाद शोक संदेश जारी करते हुए यह घोषणा की। खामेनेई ने संदेश में पांच दिन का शोक मनाए जाने की भी घोषणा की।

मेरे परिवार के सदस्यों और समर्थकों के फोन टैप किए जा रहे हैं : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जद(एस) के दूसरे नंबर के नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने सोमवार को आरोप लगाया कि 40 फोन टैप किए जा रहे हैं, जिनमें उनका और उनके परिवार के सदस्यों का फोन भी शामिल है। कुमारस्वामी ने सरकार पर उनकी और उनके परिवार की जासूसी करने का आरोप लगाया।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने आरोप को निराधार और चर्चा में आने का हथकंड बताते हुए खारिज कर दिया।

कुमारस्वामी ने कहा, हमारे फोन टैप किए जा रहे हैं। मुझे यह पता है। मेरे आसपास के 40 लोगों के फोन टैप किए जा रहे हैं। फोन पर जो भी बात हो रही है उस पर नजर रखी जा रही है। एच.डी. रेवन्ना का फोन भी टैप किया जा रहा है।

रेवन्ना कुमारस्वामी के भाई हैं जिन्हें अपहरण और यौन उत्पीड़न के मामलों में जमानत पर रिहा किया गया था।

कुमारस्वामी ने अपने भतीजे और हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना (33) से देश लौटने की अपील भी की, जो यौन उत्पीड़न के आरोप लगने के बाद से विदेश में हैं।

मुझ पर सबसे बड़ा आरोप यह था कि मेरे पास 250 जोड़ी कपड़े हैं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोदी साक्षात्कार

भुवनेश्वर/भाषा। अपने पहनावे को लेकर अक्सर विपक्ष के निशाने पर रहने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उनके राजनीतिक करियर में उन पर सबसे बड़ा आरोप यह था कि उनके पास 250 जोड़ी कपड़े हैं।

मोदी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि यह आरोप कांग्रेस नेता और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री अमर सिंह चौधरी ने लगाया था और उन्होंने एक जनसभा में इसका जवाब दिया था।

मोदी ने कहा, मैंने लोगों से पूछा कि क्या वे ऐसा मुख्यमंत्री चाहते हैं, जिसने 250 करोड़ रुपए चुराए हों या ऐसा मुख्यमंत्री जिसके पास 250 जोड़ी कपड़े हों। गुजरात के लोगों ने एक स्वर में जवाब दिया था कि 250 जोड़ी कपड़ों वाला मुख्यमंत्री ठीक रहेगा।

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान की घटना को याद करते हुए, मोदी ने कहा कि उन्होंने एक जनसभा में

चौधरी के आरोपों को स्वीकार कर लिया था, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि पूर्व मुख्यमंत्री ने गलत आंकड़े बताए थे। मोदी ने कहा, उस दिन मेरी एक जनसभा थी, जहां मैंने कहा कि मैं इस आरोप को स्वीकार करता हूं, लेकिन या तो (250 में से)शून्य गलत है या संख्या दो गलत है। फिर भी मैं आरोप स्वीकार करता हूं।

पिछले एक दशक में, विपक्ष ने प्रधानमंत्री की उनके पहनावे को लेकर आलोचना की है। हाल में, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी के कपड़ों को लेकर कटाक्ष करते हुए दावा किया था कि वह प्रति माह 1.6 लाख रुपए का वेतन अर्जित करते हैं, लेकिन महंगे वस्त्र पहनते हैं।

'ब्रांड मोदी' दो दशक में हासिल किए गए लोगों के विश्वास का परिणाम है : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि 'ब्रांड मोदी' की धारणा लोगों के उस विश्वास का परिणाम है, जो उन्होंने दो दशक से अधिक के अपने सार्वजनिक जीवन में हासिल किया है।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जो कुछ भी आवश्यक है, उसे वह करेंगे। वह 'ब्रांड मोदी' के लंबे समय से टिके रहने और क्या वह मौजूदा चुनावों के साथ-साथ 2029 में खुद को प्रधानमंत्री बनते हुए देखते हैं, इस बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

मोदी ने कहा, मेरा जन्म कुछ बनने के लिए नहीं हुआ है। मैंने कुछ करने के लिए जन्म लिया है। 2047 तक अपने देश को एक विकसित राष्ट्र (विकसित भारत) बनाना मेरा मिशन है। मुझे कुछ करना है और इसे हासिल करने के लिए जो कुछ भी करना है, मैं उसे करना जारी रखूंगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं तो बस काम करने वाला व्यक्ति हूं और यह देश के लोग हैं, जो फैसला करते हैं कि कौन क्या बनेगा। उन्होंने कहा कि 'ब्रांड मोदी' इसलिए प्रभावी रहा, क्योंकि इस ब्रांड को बनाने में कोई सजग प्रयास नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि 'ब्रांड मोदी' लोगों के उस विश्वास का परिणाम है, जो उन्होंने अपने दो दशक से अधिक के सार्वजनिक जीवन में हासिल किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोगों ने वास्तविक प्रयासों और अथक कठिन परिश्रम को देखा है, जो उन्होंने लोगों का जीवन बेहतर बनाने के लिए किया है।

मोदी ने कहा, वे मानते हैं कि मैं गलत इरादे के साथ कुछ नहीं करूंगा और अपने प्रयास करने में कभी पीछे नहीं हटूंगा। मुझ पर जताया गया उनका यही विश्वास मेरी उपलब्धि है।

उन्होंने कहा, मैं एक मनुष्य हूं। गलतियां हो सकती हैं। लेकिन गलत इरादों के साथ कुछ नहीं करूंगा। मैं कोई कसर नहीं छोड़ूंगा और हर कोशिश करूंगा। मैंने देश से ये वादे किए हैं। मैंने आज तक इसका पूरी तरह से पालन किया है।

अडाणी-अंबानी पर मेरी टिप्पणी की कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने पुष्टि की : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जहां तक ईडी और सीबीआई की बात है तो ये एजेंसियां पूरी तरह से स्वतंत्र रूप से करती है काम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई काफी महत्वपूर्ण है और जांच एजेंसियों को बिना हस्तक्षेप के अपना काम करने देना चाहिए।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उनकी 'अडाणी-अंबानी' टिप्पणी की, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी पुष्टि की, जब उन्होंने ''स्वीकार किया'' कि यदि वे (दोनों कारोबारी) ''टेम्पो भर के नोट'' भेजते हैं तो वह (चौधरी) उनके (अडाणी-अंबानी के) खिलाफ नहीं बोलेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने मौजूदा लोकसभा चुनाव के दौरान पहली बार आठ मई को आरोप लगाया था कि कांग्रेस की ''अंबानी और अडाणी'' के साथ सांठगांठ है। साथ ही, उन्होंने सवाल किया था कि क्या पार्टी (कांग्रेस) को ''टेम्पो भर के नोट'' मिले हैं ताकि उसके नेता राहुल गांधी उन्हें (दोनों कारोबारियों को) गाली देना बंद कर दें।

लोगों को आश्चर्यचकित करने वाली टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर मोदी ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में, कांग्रेस के 'शहजादे' के प्रचार अभियान का मुख्य हथकंडा दोनों व्यक्तियों के बारे में एक ही राग अलापना रहा है। और अचानक, चुनाव शुरू होने पर मुख्य प्रचार हथकंडा बदल गया। अचानक यह बदलाव क्यों हुआ?''

प्रधानमंत्री ने कहा, मेरी बात की तुरंत ही किसी और ने नहीं, बल्कि लोकसभा में कांग्रेस के नेता ने पुष्टि की। अधीर रंजन चौधरी ने स्वीकार किया कि यदि अडाणी-अंबानी टेम्पो भर के नोट भेजते हैं तो वह उनके खिलाफ नहीं बोलेंगे।

अल्पसंख्यकों के खिलाफ कभी नहीं बोला, लेकिन किसी को 'खास नागरिक' स्वीकार करने को तैयार नहीं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उन्होंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ कभी एक शब्द भी नहीं बोला और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केवल आज ही नहीं, बल्कि कभी भी अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं रही है।

प्रधानमंत्री ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह किसी को भी 'खास नागरिक' (स्पेशल सिटीजन) के तौर पर स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। मोदी ने रविवार रात 'पीटीआई वीडियो' के साथ साक्षात्कार में ये बातें कहीं। विपक्ष के इन आरोपों के बीच कि प्रधानमंत्री के चुनावी भाषण समाज को बांटने वाले और ध्रुवीकरण करने वाले हैं, उनका यह बयान अल्पसंख्यकों को लेकर अब तक का सबसे स्पष्ट बयान है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने संविधान के धर्मनिरपेक्ष तानेबाने की अवहेलना की है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उनके भाषणों का उद्देश्य वोट बैंक की राजनीति के साथ-साथ अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करने की विपक्षी दलों की कोशिशों का पर्दाफाश करना है।

साक्षात्कार के दौरान मोदी से जब उनके बयानों के कारण अल्पसंख्यकों के बीच पैदा हुई आशंकाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला है। मैं केवल कांग्रेस की वोट बैंक की राजनीति के खिलाफ बोल रहा हूं। कांग्रेस संविधान के विरुद्ध काम कर रही है, यही बात मैं कहता रहा हूं।

मोदी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और जवाहरलाल नेहरू समेत भारतीय संविधान के निर्माताओं ने फैसला किया था कि धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं होगा। उन्होंने कहा, अब आप उससे पलट रहे हो। उनका खुलासा करना मेरी जिम्मेदारी है। उस समय संविधान सभा में मेरी पार्टी का कोई सदस्य नहीं था। यह देशभर के उत्कृष्ट लोगों की सभा थी।

प्रधानमंत्री से जब एक बार फिर पूछा गया कि क्या उनके चुनावी भाषणों में कभी अल्पसंख्यकों को निशाना नहीं बनाया गया तो उन्होंने कहा, भाजपा कभी अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं रही। केवल आज ही नहीं, बल्कि कभी भी नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस तुष्टीकरण के रास्ते पर चलती है। प्रधानमंत्री ने कहा, वे लोग तुष्टीकरण के रास्ते पर चलते हैं, मैं संतुष्टीकरण के रास्ते पर चलता हूं। उन्होंने कहा, उनकी राजनीति तुष्टीकरण की है, मेरी राजनीति 'सबका साथ सबका विकास' की है। हम 'सर्व धर्म समभाव' में विश्वास रखते हैं। हम सभी को अपने साथ लेकर चलना चाहते हैं। हम किसी को खास नागरिक के तौर पर स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं, बल्कि सभी को समान समझते हैं। प्रधानमंत्री से यह भी पूछा गया कि क्या उन्हें वाकई लगता है कि कांग्रेस सत्ता में आई तो हिंदुओं की संपत्ति को मुसलमानों को दे देगी या केवल यह प्रचार के लिए कही गई बात थी।

इस पर मोदी ने कहा, यह केवल मेरे इस तरह से सोचने का सवाल नहीं है। बिना किसी तर्क के प्रचार करना पाप है। मैंने कभी ऐसा पाप नहीं किया और ना ही करना चाहूंगा। उन्होंने (विपक्ष ने) ऐसे अतार्किक प्रचार अभियान चलाए हैं।

प्रधानमंत्री ने माना कि जिस दिन कांग्रेस का घोषणापत्र जारी किया गया था, उस दिन उन्होंने कहा था कि इस पर मुस्लिम लीग की छाप है।

रियल एस्टेट मामलों के प्रभावी दिवाला समाधान के लिए कानूनी सुधार जरूरी: रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। दिवाला कानून के तहत रियल एस्टेट मामलों के समाधान में अधिक दक्षता सुनिश्चित करने के लिए कानूनी और प्रशासनिक सुधारों की जरूरत है। एक अध्ययन रिपोर्ट में यह सुझाव दिया गया है। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल्स ऑफ आईसीएआई (आईआईआईपीआई) ने इस रिपोर्ट में कहा है कि परियोजनाओं को पूरा करने और घर खरीदारों को आवंटन पर हरसंभव ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही प्रक्रियात्मक और समन्वय संबंधी मुद्दों को अनुमति नहीं देने का सुझाव भी दिया है। ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) कर्ज में फंसी संपत्तियों के समयबद्ध समाधान का प्रावधान करती है।

प्रतिस्पर्धा आयोग को समय के साथ चलने की जरूरत: अटॉर्नी जनरल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने सोमवार को कहा कि प्रतिस्पर्धा के नजरिये से निजता की रूपरेखा स्थापित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिस्पर्धा आयोग को हमेशा समय के साथ चलने की जरूरत है।

आंकड़ों की गोपनीयता और प्रतिस्पर्धा-रोधी गतिविधियों के बारे में कुछ तबकों में चिंताओं के बीच वेंकटरमणी ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के 15वें स्थापना दिवस के मौके पर अपने संबोधन में यह भी कहा कि दुनियाभर के सभी प्रतिस्पर्धा नियामक डिजिटल बाजारों में उभरते रुझानों से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, अबतक, हमने दुनियाभर में कई प्रतिस्पर्धा नियामकों के आंकड़ों के रखरखाव से जुड़ी इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई देखी है। खासकर

उन परिस्थितियों में जहां इस पहुंच बिंदु का उपयोग अपने लाभ और प्रतिस्पर्धा को दबाकर उपभोक्ताओं के नुकसान के लिए किया जाता है। उन्होंने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में कहा, इसपर मौजूदा बहस डिजिटल प्रतिस्पर्धा विधेयक को लेकर है। यह एक प्रस्तावित कानून है। यह पिछले दशक में इंटरनेट और डिजिटल दुनिया में प्रतिस्पर्धा की गतिशीलता से मिली सीख के आधार पर काम करना चाहता है। अटॉर्नी जनरल के अनुसार, अन्य बातों के अलावा बहस एक व्यापक नियामकीय व्यवस्था तैयार करने, इसमें शामिल गतिविधियों बनाम अधिक बाजार-विशिष्ट नियमों को लेकर भी है। वेंकटरमणी ने कहा कि 2020 में भारत में ई-कॉमर्स पर प्रतिस्पर्धा आयोग का बाजार अध्ययन एक स्वागतयोग्य कदम था। डिजिटल और इंटरनेट बाजारों में उभरते परिदृश्य के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए इस तरह के अध्ययन समय-समय पर किए जाने की जरूरत है।

उबर को दिल्ली में बस चलाने के लिए मिला लाइसेंस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऐप आधारित ऑनलाइन कैब बुकिंग सेवा देने वाली कंपनी उबर को दिल्ली परिवहन विभाग से सरकार की प्रीमियम बस योजना के तहत राष्ट्रीय राजधानी में बसें संचालित करने के लिए 'एग्रीगेटर' लाइसेंस प्राप्त हुआ है। 'एग्रीगेटर' से आशय कारोबारी मॉडल से है। यह एक नेटवर्क मॉडल होता है जिसके तहत सेवा प्रदाताओं और सेवा लेने वालों को एक मंच पर जोड़ा जाता है।

कंपनी ने बयान में कहा कि दिल्ली बस संचालन के लिए लाइसेंस देने वाला पहला राज्य बन गया है। वहीं उबर दिल्ली प्रीमियम बस योजना के तहत लाइसेंस लेने वाली पहली 'एग्रीगेटर' बन गई है। उबर शटल इंडिया के प्रमुख अमित देशपांडे ने कहा, एक सफल पायलट कार्यक्रम के बाद हम आधिकारिक तौर पर दिल्ली में बस की सुविधा शुरू करने से उत्साहित हैं। पायलट कार्यक्रम के दौरान हमने बसों की महत्वपूर्ण मांग देखी। ग्राहक उबर ऐप पर 'उबर शटल' विकल्प चुनकर अपने पसंदीदा रूट पर सीट की पहले से बुकिंग कर सकेंगे। बयान के अनुसार, दैनिक आवागमन की जरूरतों के हिसाब से तैयार बस सेवा 'उबर शटल' की औपचारिक शुरुआत पायलट कार्यक्रम की सफलता के बाद हुई है। पिछले साल से पश्चिम बंगाल में इसका परिचालन किया जा रहा है। इस संबंध में कंपनी ने सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें कहा गया है कि यात्री उबर ऐप के माध्यम से एक सप्ताह पहले तक सीट की पहले से बुकिंग कर सकेंगे। बस की 'लाइव लोकेशन' और मार्ग को जानकारी प्राप्त सकेंगे और उसके आने के अपेक्षित समय को भी देख सकेंगे।

इंदौर में ड्रेनेज लाइन बिछाए बिना 58 करोड़ के फर्जी बिल पेश, 34 करोड़ रुपए का भुगतान

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में ड्रेनेज की लाइन बिछाए बिना इस काम के नाम पर नगर निगम में करीब 58 करोड़ रुपए के फर्जी बिल पेश किए गए जिनमें से 34 करोड़ रुपए के बिलों का भुगतान भी कर दिया गया। ठेकेदारों और सरकारी कर्मचारियों की कथित मिलीभगत वाले फर्जी बिल घोटाले की जांच कर रही पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) पंकज कुमार पांडे ने संवाददाताओं को बताया कि अब तक की जांच में पता चला है कि गुजरे बरसों में ड्रेनेज लाइन बिछाने के नाम पर इंदौर नगर निगम में ठेकेदारों ने लगभग 58 करोड़ रुपए के फर्जी बिल पेश किए जिनमें से 34 करोड़ रुपए के बिलों का भुगतान कर दिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के बैंक खातों में जमा कुल 70 लाख रुपए के लेन-देन पर रोक लगा दी गई है और कुर्की की कार्रवाई के लिए उनकी संपत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। डीसीपी ने बताया कि पुलिस का 12 सदस्यीय दल आरोपियों के अन्य बैंक खातों और लॉकर के बारे में भी जांच कर रहा है। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि फर्जी बिल घोटाले में अब तक छह ठेकेदारों और एक कार्यपालन इंजीनियर समेत पांच सरकारी कारिंदों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में पांच फरार ठेकेदारों की तलाश की जा रही है।

शराब के नशे में धुत शख्स ने अजगर को गले में लपेटा, गिरफ्तार

पत्तनमथिट्टा (केरल)/भाषा। केरल के पत्तनमथिट्टा में एक शराबी नशे की हालत में नहर के किनारे से एक अजगर को पकड़ कर उसे अपनी गर्दन में लपेटने के कारण मुसीबत में फंस गया। वन अधिकारियों ने सोमवार को उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। पत्तनमथिट्टा के अडूर के पास स्थित एक शराब की दुकान के सामने जब शख्स ने रविवार को अपनी गर्दन में अजगर को लपेटा तो लोगों के बीच हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों का मानना था कि बाढ़ के पानी में बहकर अजगर शहर में आ गया था। सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें व्यक्ति नहर से अजगर लाते हुए और उसे अपनी गर्दन में लपेटते हुए नजर आ रहा है। वीडियो में वह अजगर के फन पर हाथ फेरता हुआ भी दिखाई दे रहा है और वहां मौजूद लोगों से उसे छूने के लिए कह रहा है। प्राप्त जानकारी के आधार पर, अडूर पुलिस ने रविवार को व्यक्ति को हिरासत में ले लिया और उसके पास से अजगर को बरामद कर लिया। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने सोमवार को बताया, वन्यजीव अधिकारी पुलिस थाने पहुंचे। उन्होंने व्यक्ति के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि कोनी के एक पशु बचाव केंद्र में अजगर को स्थानांतरित कर दिया गया।

मेट्रो ट्रेन में केजरीवाल के विरूद्ध दीवार लेखन, आप ने भाजपा पर लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में मेट्रो ट्रेन के अंदर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विरूद्ध जो दीवार लेखन किया गया है उसके पीछे भाजपा का हाथ है। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से इस मुद्दे पर चर्चा करने और ज्ञापन देने के लिए के लिए ई-मेल भेजकर समय मांगा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्होंने इस मामले का संज्ञान लिया और जांच की जा रही है।

आप नेता आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा इस बात से घबरा गई है कि वह दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट हारने वाली है, इसलिए वह 'अलग-अलग तरह की साजिश' रचकर केजरीवाल को निशाना बना रही है। आतिशी ने आरोप लगाया, उन्होंने मुख्यमंत्री केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार कराया और फिर जब वह तिहाड़ जेल के अंदर बंद थे तो 15 दिनों तक उन्हें इंसुलिन नहीं दिया गया, जिसके बाद हमें अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। अब वह जेल से बाहर आ गए तो निशाना बनाने के लिए स्वाति मालीवाल का इस्तेमाल किया, लेकिन भाजपा की यह साजिश भी सफल न हो सकी क्योंकि वीडियो से यह स्पष्ट हो गया कि आप की राज्यसभा सदस्य पर हमले के आरोप झूठे हैं।

नए इलेक्ट्रिक दोपहिया मॉडल लाने की तैयारी में हीरो मोटो

नई दिल्ली/भाषा। दोपहिया वाहन विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प बड़े ग्राहक वर्ग तक अपनी पहुंच बनाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खंड में नए मॉडल उतारने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी है। हीरो मोटोकॉर्प फिलहाल अपनी 'विडा' शृंखला के तहत इलेक्ट्रिक दोपहिया मॉडल की बिक्री करती है। इनकी कीमत एक लाख रुपए से 1.5 लाख रुपए के बीच है। हीरो मोटोकॉर्प के मुख्य कारोबार अधिकारी (उभरता परिवहन क्षेत्र) स्वदेश श्रीवास्तव ने विश्लेषकों के साथ चर्चा में कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार किया जा रहा है। इस दौरान मझोले एवं व्यापक बाजार खंड में उत्पाद उतारे जाएंगे। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में नए उत्पाद उतारे जाने के बाद इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन के प्रीमियम, मध्यम एवं व्यापक बाजार के तीनों ही खंडों में कंपनी सक्रिय हो जाएगी। उन्होंने कहा, इसके साथ ही हमें इस साल खासी वृद्धि हासिल करने की उम्मीद है। अपनी लागत संरचना को भी बेहतर करने पर हमारी नजर है। कंपनी देश के 120 से अधिक शहरों और 180 से अधिक शोरूम में विडा ब्रांड के उत्पादों की बिक्री कर रही है।

कर्ज न लेने पर भी आईडीएफसी बैंक ने ग्राहक से ली ईएमआई, देना होगा एक लाख रु. का मुआवजा

मुंबई/भाषा। आईडीएफसी बैंक ने एक व्यक्ति से ऐसे कर्ज के लिए मासिक किस्त (ईएमआई) काट ली, जो उसने कभी लिया ही नहीं था। इस मामले में अब एक उपभोक्ता अदालत ने बैंक को निर्देश दिया है कि नवी मुंबई के उस व्यक्ति को एक लाख रुपए का मुआवजा दे। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (मुंबई उपनगर) ने बैंक को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए उसे ग्राहक को ब्याज सहित 5,676 रुपए की ईएमआई राशि वापस करने के लिए भी कहा। आयोग ने पिछले महीने पारित आदेश को हाल में उपलब्ध कराया। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसे पता चला कि बैंक ने फरवरी, 2020 में अपनी पनवेल शाखा में उसके खाते से उस ऋण के लिए ईएमआई काट ली है, जो उसने लिया नहीं था। पूछताछ करने पर बैंक ने शिकायतकर्ता को बताया कि उसे एक ईमेल भेजकर बताया गया था कि यह एक ईसीएस भुगतान था। वह व्यक्ति जब बैंक शाखा में गए, तो उन्हें एक ऋण खाता दिया गया। हालांकि, जब उन्होंने खाते में लॉग इन किया, तो उन्हें ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन का एक खत्म हो चुका वाउचर मिला। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आईडीएफसी बैंक ने अनिवार्य प्रक्रियाओं का पालन किए बिना और हस्ताक्षर प्राप्त किए बिना धोखाधड़ी से ऋण स्वीकृत किया। उन्होंने दावा किया कि बैंक ने व्यक्तिगत विवरण का दुरुपयोग करके अवैध रूप से 1,892 रुपए की मासिक ईएमआई के साथ 20 महीने की अवधि के लिए 20,000 रुपए का ऋण मंजूर किया था। आयोग ने कहा कि शिकायतकर्ता के अमेजन के साथ पत्राचार से पता चला कि उसे वाउचर के लिए बैंक से कोई राशि नहीं मिली है।

कबीरधाम में वाहन के घाटी में गिरने पर 18 लोगों की मौत, चार घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कवर्धा/भाषा। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में सोमवार को एक वाहन (पिकअप) के घाटी में गिरने से 17 महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बाहपानी गांव के करीब दोपहर बाद लगभग 1:45 बजे वाहन के बंजारी घाट में गिरने से 18 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 17 महिलाएं हैं।

उन्होंने बताया कि कुई गांव के रहने वाले ग्रामीण तेंदूपत्ता एकत्र करने

जंगल गए थे और वे जब पिकअप वाहन में सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे तभी बाहपानी गांव के करीब वाहन बंजारी घाट में गिर गया। अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त जानकारी के मुताबिक, वाहन पहले सड़क से नीचे गिरा और घाटी के निचले हिस्से में बनी सड़क से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस दल को मौके पर भेजा गया तथा बचाव कार्य शुरू किया गया। कबीरधाम जिले के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने बताया, दुर्घटना में 12 महिलाओं और एक पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। पल्लव ने बताया, पुलिस दल ने घायलों को अस्पताल भेजा जहां पांच अन्य महिलाओं की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि तीन महिलाओं समेत अन्य चार घायलों को इलाज के लिए बेहतर सुविधा वाले अस्पतालों में भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर दुख जताया है तथा जिला प्रशासन को घायलों को बेहतर इलाज प्रदान करने का निर्देश दिया है। साय ने पोस्ट में लिखा, कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास वाहन के पलटने से 18 लोगों के निधन और चार अन्य लोगों के घायल होने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है।

लोकसभा चुनाव के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल का कोई विचार नहीं : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को कहा कि फिलहाल मंत्रिमंडल में फेरबदल करने की कोई योजना नहीं है। इसी के साथ उन्होंने यह भी दावा किया कि मौजूदा लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को कर्नाटक की 28 लोकसभा सीट में से 15 से 20 सीट पर जीत हासिल होगी। मुख्यमंत्री ने विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के उस दावे को भी सिरे से खारिज कर दिया कि उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई 'पांच गारंटी' लोकसभा चुनाव के बाद बंद कर दी जाएंगी।

बेंगलूरु प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम 'मीट द प्रेस' में संवाददाताओं से बातचीत में सिद्दरामैया ने कहा, ''हम लोकसभा चुनाव के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल पर विचार नहीं कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने नेतृत्व के निर्देश के अनुसार कार्य करेगी। सिद्दरामैया के मुताबिक कांग्रेस लोकसभा चुनाव में राज्य की 28 सीट में से 15-20 सीट पर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा के इस दावे को हास्यास्पद करार दिया कि भाजपा राज्य की सभी 28 लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करेगी।

उन्होंने भाजपा पर कांग्रेस सरकार की 'पांच गारंटी' को चुनाव के बाद बंद करने की अफवाह फैलाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं को किसी भी कारण से बंद नहीं किया जाएगा।

सिद्दरामैया ने कहा, किसी भी कारण से कोई गारंटी योजना बंद नहीं की जाएगी। जनता ने हमें पांच साल के लिए आशीर्वाद दिया है। जब तक उनका आशीर्वाद हमारे

साथ है, ये गारंटी खत्म नहीं होंगी। उन्होंने साथ ही स्पष्ट किया कि विकास कार्यों के लिए राज्य में धन की कोई कमी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''भाजपा झूठ बोल रही है कि गारंटी की वजह से राज्य का खजाना खाली हो गया है। उन्हें झूठ बोलने दीजिए लेकिन यह सच के आसपास होना चाहिए। वे जो बोल रहे हैं, वह झूठ की परकाष्ठा है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर.अशोक अर्थशास्त्र नहीं समझते और इसलिए झूठ बोल रहे हैं कि खजाना खाली है।

सिद्दरामैया ने कथित तौर पर मुस्लिमों को आरक्षण देने का दावा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा, ''मोदी एक दूसरा झूठ बोल रहे हैं कि हम पिछड़े समुदायों का आरक्षण छीनकर मुस्लिमों को दे देंगे। यह सफेद झूठ है।'' चिन्नप्पारेड्डी आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए सिद्दरामैया ने कहा कि मुस्लिम आरक्षण पिछले 30 साल से राज्य में है। उन्होंने कहा कि बसवराज बोम्मई की अध्यक्षता वाली तत्कालीन भाजपा सरकार ने भी उच्चतम न्यायालय में हलफानामा दिया था और इस बात पर सहमति जतायी थी कि वह मुस्लिमों का आरक्षण रद्द नहीं करेगी।

सिद्दरामैया ने कहा, ''मोदी घूम-घूम कर अपने भाषणों में झूठ बोल रहे हैं। हम किसी का आरक्षण नहीं छीनने जा रहे। इसलिए जो मोदी कह रहे हैं, वह पूरी तरह से झूठ है।'

' भाजपा ने राज्य सरकार पर मंदिरों से पैसा लेने का आरोप लगाया है।इस बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, ''भाजपा दुष्प्रचार कर रही है कि हम मंदिरों का पैसा छीन रहे हैं। वो यह तथ्य छिपा रही है कि हम ग्रामीण इलाकों के मंदिरों के विकास के लिए काम कर रहे हैं।'' जाति जनगणना रिपोर्ट पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे स्वीकार नहीं करने का दबाव था। उन्होंने कहा, लेकिन हमारी सरकार ने इसे स्वीकार किया और सामाजिक न्याय, समान हिस्से और बराबरी के मूल्यों को बरकरार रखा।

प्रज्वल के खिलाफ कोई साजिश नहीं

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते व जद-एस सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित सेक्स वीडियो मामले में कांग्रेस सरकार की ओर से न तो कोई साजिश की गई है और न ही आगे की जाएगी। मुख्यमंत्री के रूप में एक वर्ष पूरा होने पर प्रेस क्लब में आयोजित एक गोष्ठी में मीडिया से बातचीत के दौरान, सिद्दरामैया ने स्पष्ट किया कि हासन लोकसभा सीट से एनडीए उम्मीदवार प्रज्ज्वल रेवन्ना के मामले में कांग्रेस सरकार द्वारा कोई साजिश नहीं की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा,प्रज्ज्वल रेवन्ना मामले के संबंध में, भाजपा नेता जी. देवराजे गौड़ा ने छह महीने पहले पार्टी को पत्र लिखकर मांग की थी कि भाजपा और जद-एस के बीच गठबंधन नहीं होना चाहिए।

राज्य सरकार की उपलब्धि शून्य रही : विजयेन्द्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और विधायक विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने आरोप लगाया कि एक साल में सरकार का प्रदर्शन शून्य रहा है। आज मल्लेश्वरम् में भाजपा के कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में एक भी विकास परियोजना शुरू नहीं की गई है; उन्होंने आपत्ति जताई कि विकास कार्य के लिए गुद्दली पूजा का कोई उदाहरण नहीं है।

विजयेन्द्र ने कहा कि कर्नाटक राज्य में स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आने पर कांग्रेस नेताओं को काफी उम्मीदें जगी थीं। इस सरकार के आने के बाद लोगों को काफी विकास कार्य होने की उम्मीद थी। वहीं कांग्रेसी अपनी पीठ थपथपा रहे हैं कि यह सरकार जैसा कहती है वैसा ही काम करती है। मात्र विज्ञापन के माध्यम से खुद को बढ़ावा देने और विकास को चित्रित करने का काम कांग्रेस ने किया है। मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों कांग्रेस सरकार की एक साल की उपलब्धियों का बखान कर रहे हैं। वहीं उन्होंने विश्लेषण करते हुए कहा कि बीजेपी के साथ-साथ इस देश की आम

जनता भी कई सवाल पूछ रही है कि राज्य सरकार ने पिछले एक साल में क्या हासिल किया है।

उन्होंने कहा कि विकास को गारंटी के तौर पर पेश किया जा रहा है। सूखे के मामले में सरकार का आचरण अक्षम्य अपराध है। उन्होंने लड़ाई लड़ी कि केंद्र सरकार से अनुदान नहीं मिला। हालांकि, विजयेंद्र ने इस बात पर आपत्ति जताई कि किसानों को कभी ऐसा नहीं लगा कि वे चुनी हुई सरकार की जिम्मेदारी और मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य में 692 से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की। हालांकि, उन्होंने

इस बात पर अफसोस जताया कि राज्य सरकार कृषि ऋण और फसल नुकसान का मुआवजा देने के मामले में गंभीर या जिम्मेदार सरकार के रूप में काम नहीं कर रही है। सरकार का किसानों के प्रति उदासीन रवैया दिख रहा है। क्या सरकार ने जिम्मेदारी से काम किया है? उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि क्या उन्होंने अपनी जिम्मेदारी पूरी की है। 8-10 महीने से डेयरी सब्सिडी भी नहीं दी गई है। गारंटी लागू करने की आपाधापी में विकास को पूरी तरह भुला दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज राज्य सरकार आर्थिक कठिनाइयों के भंवर में फंस गयी है। विजयेंद्र ने आलोचना करते हुए कहा कि इस सरकार की उपलब्धि यह है कि इसने केंद्र सरकार के साथ टकराव का रास्ता अपनाया है।

उन्होंने कहा कि एक साल में राज्य सरकार ने जनता को महंगाई में योगदान दिया है। उन्होंने स्टांप पेपर दरें, बिजली दरें और टिकट शुल्क बढ़ा दिए हैं। जब येडीयुरप्पा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार थी तो किसानों को ट्रांसफार्मर लेने के लिए 25,000 रुपये ही काफी थे। अब राज्य सरकार ने ऐसी स्थिति ला दी है कि टीसी लेने के लिए 2.5 लाख से 3 लाख तक खर्च करने पड़ेंगे। उन्होंने इसे एक घटिया फैसला बताते हुए इसकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुखे के दौरान भी किसान विरोधी साबित हुई है।

पूरे देश में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यह बात सुनी जा रही है कि कर्नाटक ठगों की सरकार है। राज्य सरकार निष्क्रिय है जबकि हत्या के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लव जिहाद मामले में सरकार दे रही हैं गैरजिम्मेदाराना बयान। सवाल उठता है कि क्या राज्य सरकार ठगों को सशक्त बनाने का काम कर रही है? महिला सुरक्षा को लेकर सवाल खड़ा हो गया है। कोई विकास नहीं। किसानों को कोई चिंता नहीं है। विजयेंद्र ने कहा कि लोग सरकार की गैरजिम्मेदारी के बारे में बात कर रहे हैं, जबकि लव जिहाद और हिंदू कार्यकर्ताओं की हत्या में दिन-ब-दिन बढ़ोतरी हो रही है।

इस मौके पर विजयेन्द्र के साथ विपक्ष के नेता आर. अशोक, भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वत्थनारायण उपस्थित थे।

कुमारस्वामी और रेवन्ना आतंकवादी नहीं हैं जो उनके फोन टैप करें : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को फोन टैपिंग के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कुमारस्वामी और रेवन्ना आतंकवादी नहीं हैं जो ऐसी कार्रवाई की मांग करें। कुमारकृपा में अपने आधिकारिक आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, सरकार उचित प्रक्रियाओं के साथ आतंकवादियों के फोन टैप करती है, राज्य में राजनीतिक नेताओं के फोन टैप करने की कोई जरूरत नहीं है। वे प्रचार के लिए ये आरोप लगा रहे हैं।

कुमारस्वामी के उस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि राज्य सरकार एक साल तक आईसीयू में थी, उन्होंने कहा, यह लोगों को कहना है कि सरकार आईसीयू में है

या नहीं। हम उनसे प्रशंसा की उम्मीद नहीं कर सकते। हमारी सरकार ने राहत दी है। उन करोड़ों लोगों के लिए जो पिछली सरकार के कुशासन के कारण मूल्य वृद्धि और मुद्रास्फीति से पीड़ित थे।

पेन ड्राइव जारी करने में अपना हाथ होने के कुमारस्वामी के आरोप के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''पेन ड्राइव मामले से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। अगर वे समय-समय पर मेरा नाम नहीं लेंगे तो उन्हें नींद नहीं आएगी। मीडिया इसे भी जिम्मेदारी से रिपोर्ट करना चाहिए। कुमारस्वामी ने खुद कहा है कि जो जैसा बोएगा, वैसा ही काटेगा।''

देवराजे गौड़ा और शिवराम गौड़ा के साथ उनकी कथित टेलीफोनिक बातचीत के ऑडियो जारी होने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''मैंने किसी के साथ ऐसी कोई बात नहीं की है, जो नहीं बोली जानी चाहिए। मैं एक राजनेता हूं और पार्टी लाइन से परे बहुत सारे लोग हैं। मुझसे मिलने आएं। उन्होंने भी समय मांगा था, लेकिन मैंने उनसे एक मिनट के लिए भी बात नहीं की।'' कुमारस्वामी के इस बयान पर कि जब वह जेल में थे तब उन्होंने डीके शिवकुमार की मां को सांत्वना दी थी, जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मैं उनकी स्थिति से सहानुभूति रखता हूं और उनसे सहानुभूति रखता हूं। मैंने इस मामले में किसी के बारे में कुछ नहीं कहा है और मैं भविष्य में भी ऐसा नहीं करूंगा।

बधाई

सोमवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री आवास 'कावेरी' पर राज्य कांग्रेस सरकार के एक साल पूरा होने पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को बधाई देने के लिए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पहुंचे।

एच डी रेवन्ना को यौन उत्पीड़न के एक मामले में मिली जमानत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर की एक अदालत ने सोमवार को जनता दल (सेक्युलर) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री एच डी रेवन्ना को यौन उत्पीड़न के एक मामले में जमानत दे दी। बयालिसवें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने पहले रेवन्ना (66) को अंतरिम राहत दी थी।

न्यायाधीश प्रीत जे ने विशेष जांच दल (एसआईटी) की आपत्तियों को सुनने से इनकार कर दिया और जमानत का आदेश दिया। होलेनरसीपुरा टाउन पुलिस थाने में 28 अप्रैल को दर्ज किए गए मामले में रेवन्ना और उनके बेटे प्रज्ज्वल रेवन्ना पर 47 वर्षीय घरेलू सहायिका का यौन उत्पीड़न करने के आरोप शामिल हैं। हासन लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद प्रज्ज्वल (33) कथित तौर पर 27 अप्रैल को जर्मनी रवाना हुए और अब भी फरार हैं। उनको वापस लाने के प्रयास के तहत प्रज्ज्वल के खिलाफ 'इंटरपोल ब्लू कॉर्नर' नोटिस जारी किया गया है। एच डी रेवन्ना को चार मई को गिरफ्तार किया गया था और उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अपनी न्यायिक हिरासत के अंत में, उन्होंने सांसदों और विधायकों के लिए एक विशेष अदालत से सशर्त जमानत हासिल कर ली।

अंजलि हत्याकांड

पीड़ित परिवार को न्याय का भरोसा दिया : गृहमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर सोमवार को 20 वर्षीय युवती के घर पहुंचे, जिसकी कुछ दिन पहले कथित तौर पर प्रेम प्रस्ताव ठुकराने के चलते चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार यहां वीरापुर ओनी में 15 मई को अंजलि अंबिगर को घर पर कथित तौर पर कई बार चाकू मारा गया था। घटना के दो दिन बाद 22 वर्षीय आरोपी गिरीश सावंत को दावणगेरे से गिरफ्तार कर लिया गया था। अंजलि की नृशंस हत्या से परेशान उसकी बहन यशोदा अंबिगर ने आत्महत्या का प्रयास किया था। उसकी दादी गनगम्मा अंबिगेरा ने यह जानकारी दी थी।

परमेश्वर ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्ति की और अंजलि को न्याय दिलाने का

परमेश्वर ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्ति की और अंजलि को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। गृह मंत्री से मिलने के बाद अंजलि की दादी गनगम्मा अंबिगेरा ने कहा कि उन्होंने मामले में आरोपी को मौत की सजा देने की मांग की।

आश्वासन दिया। गृह मंत्री से मिलने के बाद अंजलि की दादी गनगम्मा अंबिगेरा ने कहा कि उन्होंने मामले में आरोपी को मौत की सजा देने की मांग की है।

अंबिगेरा ने कहा कि गृह मंत्री ने लोकसभा चुनाव के बाद परिवार को मुआवजा और एक घर देने का भी आश्वासन दिया। अंबिगेरा ने यहां पत्रकारों से कहा, सरकार ने हमसे न्याय का वादा किया है। हम चाहते हैं कि आरोपी को फांसी दी जाए। गृह मंत्री ने आश्वासन दिया कि मामले की पूरी जांच की जाएगी और आरोपियों को कानून के मुताबिक सजा दी जाएगी। हमें मंत्री के वादे पर भरोसा है। इस बीच, परमेश्वर कांग्रेस पार्षद निरंजन की बेटी नेहा के घर पर भी गए और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि चुनाव के कारण वह नहीं आ सके थे, लेकिन नेहा की हत्या की जानकारी मिलते ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया था और मामले की पूरी जानकारी ली थी। यहां बीवीबी कॉलेज कैंपस में 18 अप्रैल को 23 साल की नेहा की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी।

केंद्रीय अपराध शाखा ने रेव पार्टी में की छापेमारी, कई मादक पदार्थ बरामद

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केंद्रीय अपराध शाखा ने बेंगलूरु के एक फार्महाउस पर चल रही 'रेव पार्टी' में छापेमारी की और वहां से 'एक्स्टसी' गोलियां, कोकीन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सीसीबी के सूत्रों के मुताबिक, अपराध शाखा ने रविवार तड़के इलेक्ट्रॉनिक सिटी के पास स्थित एक फार्महाउस में छापेमारी की थी।

पुलिस ने बताया कि फार्महाउस से 17 एमडीएमए गोलियां और कोकीन सहित अन्य मादक पदार्थ बरामद किए गए। रेव पार्टी में आंध्र प्रदेश और बेंगलूरु के 100 से अधिक लोग मौजूद थे, जिनमें 25 से अधिक युवतियां भी थीं। पार्टी में मौजूद लोगों में डीजे, मॉडल, अभिनेता और तकनीकी जगत से जुड़े लोग भी शामिल थे।

पुलिस ने बताया कि 18 मई को शाम पांच बजे से लेकर 19 मई की सुबह छह बजे तक पार्टी का आयोजन किया गया था। हैदाराबाद के निवासी वासु ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में पार्टी का आयोजन किया था। वहीं यह भी खबर आई कि इस पार्टी में तेलुगू फिल्म स्टार श्रीकांत को भी पुलिस ने पूछताछ के लिए रोका है। वहीं हैदराबाद में अभिनेता श्रीकांत ने अपने घर से इस बात का खंडन एक वीडियो के माध्यम से मीडिया को किया। उन्होंने बताया कि इस पार्टी से उनका कोई लेना देना नहीं है वह अपने घर पर हैं।

कार्यक्रम स्थल पर खड़ी एक कार में आंध्र प्रदेश के एक विधायक का पास भी मिला है। इसके अलावा वहां पर 15 से अधिक लग्जरी कारें भी खड़ी थीं। सूत्रों ने बताया कि पार्टी में एक दिन में 50 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। इलेक्ट्रॉनिक सिटी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

कर्नाटक में 23 को शुरू होगा हाथियों की गिनती

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। इंसान और जानवर के बीच संघर्ष के मामलों की पृष्ठभूमि में कर्नाटक में केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की सीमा से सटे 10 वन संभागों में परस्पर तालमेल से हाथियों की गणना के लिए तीन दिवसीय अभियान चलाया जाएगा। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कोलार, 'कावेरी वाइल्डलाइफ', 'एम एम हिल्स वाइल्डलाइफ', बीआरटी बाघ संरक्षित क्षेत्र, बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान,बंदीपुर बाघ संरक्षित क्षेत्र, नगरहोले बाघ संरक्षित क्षेत्र, 'मडिकेरी टेरीटोरियल', 'मडिकेरी वाइल्डलाइफ' और विराजपेट संभागों में यह अभियान चलाया जाएगा।

वन मंत्री ईश्वर खांड्रे के कार्यालय ने एक बयान में बताया कि इंसानों और हाथियों के बीच संघर्ष के मामलों तथा नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व में हाथियों की आवाजाही की पृष्ठभूमि में कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु द्वारा एक अंतरराज्यीय समन्वय समिति बनायी गयी है।

सोमवार को यलहंका में रमणश्री कैलिफोर्निया लेआउट के बारिश प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने किया और निवासियों की शिकायतें सुनीं।

'बुनियादी ढांचे के बिना निजी लेआउट के डेवलपर्स को नोटिस देंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सोमवार को राचेहल्ली झील के पास राजकालुवे का निरीक्षण करने के बाद उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि उचित बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं कराने वाले निजी लेआउट के डेवलपर्स को अधिकारियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया है। उपमुख्यमंत्री ने यलहंका के रमणश्री गार्डेनिया लेआउट का दौरा किया और स्थानीय निवासियों के साथ चर्चा की। इस इलाके में दो साल पहले कोई नाला नहीं थी। निगम ने नाला बनवाया और इसे आगे न ले जाकर यहीं रोक दिया। इस वजह से हल्की बारिश में ही घरों में पानी घुस जाता है।

इस नाले का विस्तार हो तो बरसाती पानी को आगे जाने की जगह मिलेगी।उन्होंने कहा कि एक निजी लेआउट में, पर्याप्त जल निकासी व्यवस्था की कमी के कारण पानी घरों में घुस जाता है। वर्षा जल और सीवेज को एक साथ छोड़ दिए जाने के कारण समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।

लेआउट डिज़ाइन करते समय उचित व्यवस्था न करना डेवलपर्स की गलती है। लोगों से पैसे लेने के बाद भी बारिश के पानी के बहाव की समुचित व्यवस्था नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही है। डेवलपर्स ने अपना कर्तव्य ठीक से नहीं निभाया है। उनसे होने वाली परेशानी को दूर करने के लिए अधिकारियों को अवगत कराया।

जब उनसे पूछा गया कि क्या इन समस्याओं को ब्रांड बेंगलूरु परियोजना के माध्यम से हल किया जा सकता है, तो उन्होंने कहा, मैंने राहत प्रदान करने के इरादे से संकटग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया है। मैं अधिकारियों के साथ उनकी आंखों से देखने के लिए आया हूं, न कि सिर्फ उन्हें सुनने के लिए। हर साल जहां भी बारिश के कारण परेशानी होती है, उन क्षेत्रों को चिन्हित कर चरण दर चरण विकास किया जाएगा।

राजकलुवे अतिक्रमण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, जहां भी निजी लेआउट का अतिक्रमण किया गया है, वहां कार्रवाई की जाएगी। एसटीपी लागू नहीं करने वालों को सख्त नोटिस भी दिया जाएगा। स्काई डेक के निर्माण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमारा विचार है कि बेंगलूरु को एक अच्छे पर्यटन केंद्र की जरूरत है। अधिकारियों ने एक परियोजना रिपोर्ट जमा कर दी है।

जब उनसे बीबीएमपी चुनाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हम भी चुनाव कराना चाहते हैं। मामला कोर्ट में होने के कारण इसमें देरी हो रही है। इस मौके पर बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ, बीडीए आयुक्त जयराम, बीएमआर डीए एमडी डीसीएम सचिव राजेंद्र चोलन, बीडब्ल्यूएसएसबी के अध्यक्ष प्रशात रामप्रसाद और अन्य उपस्थित थे।

विरोध प्रदर्शन

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के परिवार को बदनाम करने की साजिश रचने वाले उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एवं पूर्व सांसद एलआर शिवरामैगौड़ा के खिलाफ जनता दल (एस) के कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने में विरोध प्रदर्शन किया। शहर के फ्रीडम पार्क में शहर इकाई के अध्यक्ष एचएम रमेश गौड़ा ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ दोनों नेताओं का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म व उसे भट्टी में जलाने के दो दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा की पोक्सो अदालत ने एक नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म व उसे कोयला भट्टी में जलाने के मामले में दो दोषियों को सोमवार को मृत्युदंड की सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक महावीर सिंह किशनावत ने यह जानकारी दी। उन्होंने मीडिया से कहा, इस मामले में दो दोषियों कालू व कान्हा, जिन्होंने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म किया और उसकी हत्या की, को मौत की सजा सुनाई गई है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म किया गया, उसके साथ मारपीट की गई और फिर उसे जिंदा ही भट्टी में जला दिया गया, इसे अदालत ने 'दुर्लभ से दुर्लभतम' मानते हुए दोनों दोषियों कालू व कान्हा को आज मौत की सजा सुनाई है।

उल्लेखनीय है कि अदालत ने शनिवार को दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया था। दोनों दोषियों को सजा सोमवार को सुनाई गई। अदालत ने इस मामले में साक्ष्य मिटाने के आरोपी सात व्यक्तियों को बरी कर दिया था। इनमें तीन महिलाएं व चार पुरुष हैं।

किशनावत ने कहा कि इन्हें बरी किए जाने के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की जाएगी। पीड़िता की मां ने कहा कि न्याय हुआ है और वह दोषियों को दी गई सजा से संतुष्ट हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा उस समय हमारी सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की थी। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, उस समय अतिरिक्त महानिदेशक (अपराध) को घटनास्थल पर भेजा गया एवं 'केस ऑफिसर स्कीम' के तहत इस केस को लिया गया। करीब एक महीने में ही इस मामले में आरोपपत्र दायर कर दिया गया था। आज करीब 10 महीने के अंदर ही इन दोषियों को सजा सुनाई गई है।

पिछले साल अगस्त में हुई यह घटना राजस्थान में एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बन गई थी और उस समय विपक्षी दल, भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा था। उल्लेखनीय है कि गत दो अगस्त को कोटड़ी थाना क्षेत्र में 14 साल की एक नाबालिग के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद उसे कोयला भट्टी में फेंक दिया गया था। वह इलाके में बकरियां चराने गई थी। कोटड़ी अब नवगठित शाहपुरा जिले में आता है। पुलिस ने इस घटना के लिए भट्टियों के पास ही रह रहे कालबेलिया समुदाय के आरोपियों को गिरफ्तार किया था। ये लोग उन भट्टियों में कोयला बनाने का काम करते थे। किशनावत के अनुसार, सामूहिक दुष्कर्म के बाद आरोपियों को लगा कि नाबालिग मर गई है और उन्होंने उसे भट्टी में फेंक दिया। फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जब लड़की को भट्टी में फेंका गया तब वह जीवित थी क्योंकि उसकी मौत जलने के कारण हुई।

घटनास्थल पर एक कतार में कुल पाँच भट्टियाँ थीं और उनमें से एक असामान्य रूप से पूरी तरह से बंद किए बिना ही चल रही थी। स्थानीय लोगों को इस पर शक हुआ क्योंकि आमतौर पर भट्टी पूरी तरह से बंद होती है। लोगों को वहां लड़की का कंगन मिला, जिसके बाद हड्डियां बरामद की गईं।

फांसी की सजा का निर्णय स्वागतयोग्य : भजनलाल

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने न्यायालय द्वारा कोटड़ी में नाबालिग के साथ गैंगरेप एवं हत्या के मामले में दोषियों को मृत्युदंड की सजा का निर्णय स्वागतयोग्य बताया है। इस मामले में सोमवार को फैसला आने के बाद शर्मा ने इसे स्वागतयोग्य बताते हुए कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन सरकार के यशस्वी कार्यकाल में प्रदेश में बालिकाओं के साथ अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान में अपराध और अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है और अगर किसी ने अपराध करने का दुस्साहस भी किया तो उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

शुभ्रा सिंह ने मौसमी बीमारियों पर नियमित रूप से निगरानी के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने मौसमी बीमारियां डेंगू, मलेरिया आदि से बचाव एवं नियंत्रण के लिये विभिन्न गतिविधियां नियमित रूप से करने एवं इनकी समीक्षा करने के निर्देश दिये हैं।

विभाग ने बीकानेर जोन में विगत कुछ समय में बढ़ते डेंगू के मामलों के दृष्टिगत अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिये गये हैं। निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि बीकानेर जोन की राज्य स्तर से नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। साथ ही राज्य स्तर की टीम ने भी वहां दौरा कर मौसमी बीमारियों से बचाव संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया है।

उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान पायी गयी कमियों में सुधार के लिये बीकानेर के संयुक्त निदेशक जोन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वास्थ्य) को निर्देश दिये गये हैं। साथ ही जिले में डेंगू प्रभावित इलाकों का भ्रमण कर सभी आवश्यक कदम उठाने एवं अन्तर्विभागीय प्रकरणों का जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में होने वाली साप्ताहिक बैठक में निस्तारण करने एवं नियमित निगरानी के भी निर्देश दिये गये हैं।

डॉ माथुर ने बताया कि मौसमी बीमारियों से बचाव एवं रोकथाम के लिये की जा रही गतिविधियों में सुधार के लिये फील्ड स्टाफ का प्रशिक्षण करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं। साथ ही, डेंगू पॉजिटिव केसों के संबंध में निरन्तर फीडबैक लेने, मेडिकल कॉलेज एवं अन्य जांच केन्द्रों से प्रतिदिन डेंगू रोगियों की पूरी सूचना प्राप्त करने तथा नियमित रूप से इनकी रिपोर्ट राज्य स्तर पर भेजने के निर्देश भी दिये गये हैं।

आईसीजेएस सिस्टम की स्मार्ट पुलिसिंग को मजबूत करने में अहम भूमिका : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम 2.0 के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में गठित राज्य स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में आईसीजेएस 2.0 हेतु तैयार कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा कर प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। अनुमोदित प्रस्ताव को भारत सरकार को भेजा जायेगा।

पंत ने कहा कि यह गर्व का विषय है की इस वर्ष राजस्थान में ई-अभियोजन, ई-जेल एवं क्राइम और क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम में अन्य राज्यों की तुलना मे बेहतर कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना स्मार्ट पुलिसिंग को और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी इसलिए इसकी शीघ्र सफल क्रियान्विति सुनिश्चित की जाए।

उल्लेखनीय है कि 'वन डेटा, वन एंट्री' के सिद्धांत पर बनाये जा रहे आईसीजेएस 2.0 का मुख्य उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली के पांच स्तंभों पुलिस, ई-अभियोजन, ई-जेल, ई-न्यायालय, ई-फोरेंसिक को एकीकृत कर डेटा का निर्बाध आदान-प्रदान करना है। एनसीआरबी को इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए नोडल एजेंसी नामित किया गया है जो एनआईसी के सहयोग से कार्य करेगा।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, पुलिस महानिदेशक यू.आर.साहू, शासन सचिव, वित्त (व्यय) विभाग नरेश कुमार ठकराल, शासन सचिव सूचना एवं प्रौद्योगिकी सुआरती डोगरा, पुलिस एवं सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे तथा निदेशक एनआईसी शशिकांत, रजिस्ट्रार राजस्थान उच्च न्यायालय बालकृष्ण विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

संदेश

जयपुर में सोमवार को शासन सचिव, स्कूल शिक्षा, कृष्ण कुणाल ने शिक्षा संकुल में चींटियों के भोजन के लिए घी, शक्कर एवं आटा भरे नारियल मिट्टी में दबाकर जीव जन्तुओं के प्रति दया भाव रखने का सन्देश दिया।

राजस्थान में बिजली कटौती से जनता त्रस्त : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में गर्मी के मौसम में बिजली कटौती से जनता को त्रस्त बताते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को इस बारे में ध्यान दिया जाना चाहिए। गहलोत ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि राजस्थान के सभी जिलों से अघोषित बिजली कटौती की शिकायतें आ रही हैं। इस गर्मी के मौसम में बिजली कटौती से जनता त्रस्त है। भाजपा के घोषणा पत्र में पेज संख्या 15 पर राजस्थान में 24 घंटे घरेलू बिजली का वादा किया गया था। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा दावा करते हैं कि उन्होंने घोषणा पत्र के 45 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए परन्तु यह दावा पूरी तरह हवा हवाई साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को छह महीने से जारी भारत भ्रमण छोड़कर प्रदेश की जनता की ओर देखना चाहिए जो इस गर्मी में बिजली कटौती से त्रस्त है।

युवक की पीट-पीट कर हत्या

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के घमूडवाली थाना क्षेत्र में कल देर रात एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गयी। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि घमूडवाली- कैंचियां (हनुमानगढ़ मार्ग) पर स्थित एक पैट्रोल पम्प के सामने के सामने लोगों ने सड़क के किनारे मिट्टी में एक युवक का शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस मौके पर पहुंच गयी। मृतक की पहचान बींझबायला गांव के सुनील कूकणा (40) के रूप में हुई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करते हुये दुर्गेश और मनोज के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने बताया कि सुनील कूकण को मनोज और दुर्गेश योजना के तहत रात में पेट्रोल पंप के सामने वाशिंग सेंटर ले गये, जहां उन्होंने उसे शराब पिलाई। बाद में दोनों ने सुनील को पाइप से मारा और नजदीक ही मरणासन्न स्थिति में फेंककर चले गये, जिससे उसकी मौत हो गयी। हत्या का कारण पुरानी रंजिश बताया जा रहा है। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है।

किर्गिस्तान में फंसे राजस्थानी छात्रों की सकुशल वापसी के लिए सरकार प्रयासरत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि किर्गिस्तान में फंसे राजस्थानी छात्रों की सुरक्षा एवं सकुशल वापसी के लिए हमारी सरकार हर स्तर पर निरंतर प्रयासरत हैं। शर्मा ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि किर्गिस्तान में फंसे राजस्थानी छात्रों की सकुशल स्वदेश वापसी की दिशा में उच्चायोग के अधिकारियों के साथ सभी छात्रों की सुरक्षा के विषय में मुख्यमंत्री कार्यालय के उच्च अधिकारी निरंतर संपर्क में है। सभी छात्रों के सुरक्षित होने की जानकारी प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र की सुरक्षा एवं सकुशल वापसी के लिए हमारी सरकार हर स्तर पर निरंतर प्रयासरत हैं। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए किर्गिस्तान उच्चायोग द्वारा एक हेल्पलाइन नम्बर जारी किया गया है। हेल्पलाइन नम्बर 996 555 710 041 है।

जयपुर में 19 हजार किलोग्राम से अधिक मिलावटी मसाले जब्त

जयपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जयपुर में एक मसाला कारखाने में पहुंचकर वहां रखे 19 हजार किलोग्राम से अधिक मसाले को मिलावटी होने के आधार पर जब्त कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग मिलावट के खिलाफ लगातार अभियान चला रहा है। सोमवार को अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा के नेतृत्व में विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया में मसाला फैक्टरी पर कार्रवाई करते हुए 19 हजार किलोग्राम से अधिक मसालों को मिलावटी होने के आधार पर जब्त किया गया।अतिरिक्त आयुक्त ने एक बयान में कहा कि टीम ने वर्षा एंटरप्राइजेज नाम से चल रही मसाला फैक्टरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मसाला तैयार करने में कई तरह की गड़बड़ी पाई गई। ओझा ने बताया कि खराब गुणवत्ता की मिर्च एवं धनिया के साथ डंठल भी पीसे जा रहे थे। हल्दी और मिर्च में रंग की मिलावट पाई गई। उन्होंने कहा कि मौके से मसालों में मिलाए जाने वाले रंग भी बरामद किए गए और मसालों के नमूने लिए गए। उन्होंने कहा कि फैक्टरी में 19 हजार किलोग्राम से अधिक रंग मिले मसाले मिले जिन्हें जब्त करने की कार्रवाई की गई।

पेटा ने एक और हाथी के पुनर्वास की मांग की

जयपुर। गैर सरकारी संगठन 'पीपुल्स फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स' (पेटा) इंडिया ने जयपुर से एक और हाथी के पुनर्वास की मांग की है जिसने आमेर के किले में पर्यटकों को सवारी कराने के दौरान दूसरे हाथी पर हमला कर दिया था। संगठन ने इस बारे में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और पर्यटन, कला और संस्कृति मंत्री दीया कुमारी को पत्र लिखा है। संगठन ने पत्र में यह भी कहा है कि पर्यटकों की सवारी के लिए हाथियों की जगह पर्यावरण-अनुकूल मोटर चालित वाहनों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। पेटा इंडिया की निदेशक खुशबू गुप्ता ने कहा कि पांच मार्च का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

राजस्थान में पड़ रही भीषण गर्मी, कई जिलों में हीट वेव का अलर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मई महीने की शुरुआत के बाद से ही राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी का सितम जारी रहा। इस दौरान राजस्थान में लोगों को भीषण गर्मी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। श्रीगंगानगर और अंता बारां में पारा 46.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अधिकांश हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही है और मौसम केंद्र के अनुसार इसके आगे भी जारी रहने की संभावना है। इस दौरान कई जिलों में लू चलने का अलर्ट जारी किया गया है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार रविवार को दिन में अधिकतम तापमान श्रीगंगानगर और अंता बारां में 46.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इसके अलावा, अधिकतम तापमान चूरू में 46.6 डिग्री, धौलपुर और जालौर में 46.5 डिग्री, कोटा में 46.2 डिग्री, पिलानी और करौली में 46.1 डिग्री, राजधानी जयपुर में 45.9 डिग्री, बाड़मेर और फलोदी में 45.8 डिग्री, जोधपुर में 45.6 डिग्री, जैसलमेर में 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विभाग (खचउ) के अनुसार राज्य के अधिकांश हिस्सों में बीती रात का तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस से लेकर 26 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

पिछले कुछ दिन की भीषण गर्मी से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। गांवों-शहरों में दोपहर में सड़कें सूनी हो जाती हैं। लोग बेहद जरूरी काम के लिए ही बाहर निकल रहे हैं।

राजधानी जयपुर समेत कई शहरों में नगर निकायों द्वारा सड़कों पर पानी का छिड़काव भी करवाया जा रहा है ताकि लोगों को कुछ राहत मिले। हालांकि, यह काफी नहीं है। राजस्थान में लोगों को अब बारिश होने पर ही राहत मिल सकती है। लेकिन मौसम विभाग ने प्रदेश में बारिश को लेकर कोई अपडेट नहीं जारी किया है।

मई की तपिश वाली गर्मी का असर सिर्फ मैदानी राज्यों में ही नहीं दिख रहा बल्कि पहाड़ी राज्यों में भी देखने को मिल रहा है। रविवार को भारतीय मौसम विभाग ने अपडेट देते हुए बताया कि हिमाचल प्रदेश के कई जिलों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। इस दौरान विभाग ने हिमाचल प्रदेश के सात जिलों में हीट वेव का अलर्ट भी जारी किया है।

समर कंटीन्जेंसी के तहत स्वीकृत कार्यों को 31 मई तक पूर्ण करें : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने समर कंटीन्जेंसी के तहत स्वीकृत कार्यों में शून्य प्रगति वाले चार जिलों के अधीक्षण अभियंताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अधीक्षण अभियंता सवाई माधोपुर कैलाश चंद मीना,अधीक्षण अभियंता बांसवाड़ा अशोक चावला अशोक चावला, अधीक्षण अभियंता धौलपुर मुकेश गर्ग एवं अधीक्षण अभियंता गंगापुर सिटी रामकेश मीना को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बार-बार वीडियो कांफ्रेंस में निर्देश दिए जाने के बावजूद भी प्रगति नहीं आने पर उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इन जिलों में समर कंटीन्जेंसीज कार्यों में प्रगति नहीं लाई जाती है तो संबंधित जिलों के अतिरिक्त मुख्य अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समर कंटीजेंसी के तहत स्वीकृत कार्यों को 31 मई तक हर- हालात में पूर्ण करें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं कि जाएगी। जल जीवन मिशन के 14 (की परफॉर्मन्स इंडिकेटर्स) के आधार पर तैयार की गई डिस्ट्रिक्ट वाइज रिपोर्ट कार्ड में सबसे पिछड़े जिले के अधीक्षण अभियंता डूंगरपुर अनिल कछावा, अधीक्षण अभियंता जयपुर ग्रामीण आनंद प्रकाश, अधीक्षण अभियंता नीमकाथाना दलीप तारंग, अधीक्षण अभियंता सांचौर पृथ्वी सिंह गुर्जर एवं अधीक्षण अभियंता बांसवाड़ा अशोक चावला को भी कारण बताओ नोटिस किया डॉ. समित शर्मा सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अतिरिक्त मुख्य अभियंता सहित अधीक्षण एवं अधिशाषी अभियंताओं के साथ समर कंटिजेंसी प्लान एवं जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रीष्म काल में पेयजल से संबंधित किसी भी तरह की किल्लत नहीं आए, इसके लिए स्वीकृत कार्यों का धरातल पर अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाये कि किए जा रहे कार्य गुणवत्ता पूर्ण हों। उन्होंने भरतपुर संभाग के अधीन आने वाले जिलों में समर कंटीन्जेंसी के तहत स्वीकृत कार्यों की प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि मिशन मोड़ पर सभी कार्यों को पूर्ण किया जाए। शासन सचिव ने कहा कि ग्रीष्मकाल में पेयजल की किल्लत नहीं हो इसके लिए स्वीकृत कार्यों कों शीघ्र पूर्ण किया जाए। साथ ही हैण्ड पंप एवं नलकूप समय से स्थापित किए जाए जिससे आमजन को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि बिजली कनेक्शन के कारण जो नलकूप अभी तक चालू नहीं हुए हैं उन्हें चालू करवाने के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों से समन्वय कर 31 मई तक प्रारम्भ कराया जाए।

विश्वेंद्र सिंह पर पत्नी-बेटे का पलटवार, बोले-

सब बेच दिया, मोती महल बचा है, इसे नहीं बिकने देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। भरतपुर के राजपरिवार का प्रॉपर्टी विवाद बढ़ता ही जा रहा है। पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे विश्वेंद्र सिंह के लगाए अत्याचार के आरोपों पर अब उनकी पत्नी और बेटे खुलकर सामने आए। मां-बेटे ने कहा कि उन पर जो आरोप लगाए गए हैं वो सरासर गलत हैं। पूरी तरह से बकवास हैं। इतना ही नहीं विश्वेंद्र सिंह की पत्नी ने दिव्या सिंह ने तो यहां तक कह दिया कि तीन साल से मैं चुप हूं, अगर मैंने मुंह खोला तो बात सुप्रीम कोर्ट तक जाएगी। वहीं, बेटे अनिरुद्ध ने भी पिता के आरोपों पर पलटवार करते हुए कि उन्होंने घर के कारपेट तक बचे दिए हैं, अब चाहे कुछ भी हो जाए हम मोती महल बिकने नहीं देंगे। मोती महल मां दिव्या रानी के नाम है और उनके नाम से पट्टा भी है। पिता ने फर्जी सिग्नेचर कराकर सारी प्रॉपर्टी पहले ही बेच दी है, अब एक मोती महल बचा है इसे भी बेचना चाहते हैं

पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे विश्वेंद्र सिंह ने अपनी पत्नी और बेटे पर अत्याचार करने का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि उनको घर से निकाल दिया गया है। उनको भरपेट खाना भी नहीं दिया जाता है। इन आरोपों के साथ विश्वेंद्र सिंह ने एक प्रार्थना पत्र उपखंड अधिकारी भरतपुर को दिया था। इस पत्र में उन्होंने हर महीने पांच लाख रुपये भरण पोषण के लिए दिलाने की बात भी कही गई थी। ये पत्र उन्होंने बीते मार्च में दिया था, लेकिन मामले का खुलासा अब हुआ है। इसके बाद से ही सारा विवाद शुरू हो गया है।

पूजा स्थल कानून गैर विवादित ढांचे के मामले में ही लागू होता है: हिंदू पक्ष

प्रयागराज/भाषा। मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में सोमवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि पूजा स्थल कानून, 1991 गैर विवादित ढांचे के मामले में ही लागू होता है ना कि विवादित ढांचे के मामले में। मौजूदा मामले में ढांचे का चरित्र अभी तय होना बाकी है और यह केवल साक्ष्यों से तय हो सकता है। हिंदू पक्ष के वकील ने कहा, मंदिर पर एक अवैध निर्माण, वाद में बाधक नहीं बन सकता। वाद की पोषणीयता को लेकर दाखिल अर्जी पर निर्णय, पक्षों से साक्ष्य देखने के बाद ही किया जा सकता है। वर्ष 1968 में हुए समझौते के प्रश्न पर हिंदू पक्ष की ओर से दलील दी गई कि वाद की पोषणीयता को लेकर दाखिल अर्जी पर निर्णय करने के चरण में इस पर (समझौते) विचार नहीं किया जा सकता।

इससे पूर्व, मुस्लिम पक्ष की वकील तसलीमा अजीज अहमदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कहा था कि उनके पक्ष ने 12 अक्टूबर, 1968 को एक समझौता किया था जिसकी पुष्टि 1974 में निर्णित एक दीवानी वाद में की गई। एक समझौते को चुनौती देने की समय सीमा तीन वर्ष है, लेकिन वाद 2020 में दायर किया गया। इस तरह से मौजूदा वाद समय सीमा से बाधित है। अहमदी ने आगे दलील दी थी कि यह वाद शाही ईदगाह मस्जिद के ढांचे को हटाने के बाद कब्जा लेने और मंदिर बहाल करने के लिए दायर किया गया है। वाद में की गई प्रार्थना दर्शाती है कि वहां मस्जिद का ढांचा मौजूद है और उसका कब्जा प्रबंधन समिति के पास है। इस मामले पर सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत कर रही है।

अखिलेश की रैली में मची अफरा-तफरी, वीडियो वायरल

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। संत कबीर नगर में समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव की रैली में बड़ी संख्या में जुटे पार्टी समर्थकों और कार्यकर्ताओं के बैरीकेडिंग तोड़कर उनकी ओर बढ़ने की कोशिश करने पर अफरा-तफरी मच गई। इस घटना का कथित वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि बड़ी संख्या में समर्थक सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए यादव की कार के करीब पहुंच गए। इस दौरान समर्थकों ने अखिलेश के साथ फोटो भी खिंचवाई। कार्यकर्ताओं ने रैली स्थल पर लगे माइक्रोफोन, कुर्सियां और कूलर भी नष्ट कर दिए।

यादव अपने उत्साही समर्थकों से मिलते हुए पुलिस की मदद से किसी तरह मंच तक पहुंचने में कामयाब रहे। सपा अध्यक्ष इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडि) के प्रत्याशी पप्पू निषाद के लिए प्रचार करने संतकबीरनगर आए थे। ऐसा दूसरी बार हुआ है जब अखिलेश की रैली में अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हुई है। प्रयागराज के फूलपुर लोकसभा सीट पर रविवार को 'इंडि' गठबंधन की ओर से चुनावी रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भाषण देने पहुंचे थे, लेकिन रैली में हंगामा और भगदड़ के कारण दोनों नेताओं को संबोधन किए बगैर ही वापस जाना पड़ा था। राहुल और अखिलेश के मंच पर पहुंचते ही रैली में आए समर्थकों की भीड़ बेकाबू हो गई और हंगामा होने लगा।

सात बार फर्जी मतदान करने वाला नाबालिग हिरासत में, पुनर्मतदान होगा

फर्रुखाबाद/एटा(उप्र)/भाषा। फर्रुखाबाद संसदीय क्षेत्र में आने वाले एटा जिले के एक मतदान केंद्र पर एक 17 वर्षीय किशोर को कथित रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी के पक्ष में सात बार फर्जी मतदान करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। संबंधित मतदान केंद्र के मतदान दल के सभी सदस्यों को निलंबित करने और संबंधित मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान के निर्देश दिए गए हैं।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इस वीडियो को 'एक्स' पर साझा किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी उनके संबंधित बयान को साझा करते हुए कहा ''अपनी हार सामने देखकर भाजपा जनादेश को झुठलाने के लिए सरकारी तंत्र पर दबाव बनाकर लोकतंत्र को लूटना चाहती है। उप्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने एक बयान जारी कर कहा कि संबंधित मतदान दल के सभी सदस्यों को निलंबित करने और अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित मतदान केंद्र में पुनर्मतदान की सिफारिश निर्वाचन आयोग से की गई है। रिणवा ने कहा कि उप्र के शेष चरणों में सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदाताओं की पहचान की प्रक्रिया का कठोरता से पालन करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। रिणवा ने बताया कि आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया है और उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है! इस संबंध में किशोर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की और उसे हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

खेल हो या शिक्षा, अनुशासन की जरूरत है : गोपीचंद ने छात्रों से कहा

पटना/भाषा। खिलाड़ी और कोच के रूप में बेहद अनुशासित पुलेला गोपीचंद ने यहां प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को प्रेरित करते हुए अनुशासन का महत्व बताया। पूर्व ऑल इंग्लैंड चैंपियन और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता 50 साल के गोपीचंद इंजीरियंग और मेडिसिन पाठ्यक्रम की प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों से मुखातिब थे। भारत के मुख्य बैडमिंटन कोच गोपीचंद ने यहां 'एलेन करियर इंस्टीट्यूट' में छात्रों से कहा, खेल हों या शिक्षा दोनों समान हैं। दोनों में अनुशासन और प्रतिबद्धता जरूरी है। समय के साथ इसमें मेंटर (मार्गदर्शक) की जरूरत भी जुड़ गई है। उन्होंने कहा, शिक्षा के साथ जब ट्रेनिंग भी दी जाती है तब एक छात्र मौजूदा समय में प्रतिस्पर्धा में सक्षम बन पाता है। इसी तरह खेल में भी अगर अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ कोचिंग अच्छी हो तो खिलाड़ी आगे बढ़ता है। ओलंपिक पदक विजेताओं साइना नेहवाल और पीवी सिंधू जैसी खिलाड़ियों को तैयार करने वाले हैदराबाद के गोपीचंद ने कहा कि उन्हें पटना जैसे शहरों के युवाओं का भविष्य उज्ज्वल नजर आता है। उन्होंने कहा, खेल में हमेशा एकतरफा नतीजे नहीं मिलते।

ओडिशा के मुख्यमंत्री का कार्यालय एवं आवास भ्रष्ट समूह के कब्जे में : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अंगुल/कटक/पुरी (ओडिशा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा की सत्ता से बीजू जनता दल (बीजद) की विदाई तय होने का दावा करते हुए सोमवार को कहा कि वह राज्य की ''बर्बादी'' से दुखी हैं।

मोदी ने ढेंकनाल लोकसभा सीट के तहत आने वाले इलाके में यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य खनिज संसाधनों से समृद्ध है, इसके बावजूद यहां के लोग परेशान हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि ओडिशा के मुख्यमंत्री (नवीन पटनायक) का कार्यालय और आवास एक ऐसे समूह के कब्जे में है जिसने राज्य को बर्बाद कर दिया और युवाओं के सपनों को चकनाचूर कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ओडिशा की खराब स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है? यह बीजद सरकार है जो कुछ भ्रष्ट लोगों के नियंत्रण में है। मुट्ठी भर भ्रष्ट लोगों ने मुख्यमंत्री कार्यालय और आवास पर कब्जा कर लिया है। बीजद के छोटे-छोटे नेता भी करोड़पति बन गए हैं।

मोदी ने राज्य में सत्तारूढ़ बीजद पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने लोगों को खनिज संसाधनों के लाभ से वंचित किया। उन्होंने कहा, मोदी ने 2014 में एक नई खनिज उत्खनन नीति तैयार की थी जिसके तहत ओडिशा

को अत्यधिक 'रॉयल्टी' मिल रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ओडिशा को खनिज 'रॉयल्टी' के तौर पर 50,000 करोड़ रुपए और जिला खनिज निधि (डीएमएफ) से 26,000 करोड़ रुपए दिए गए।

उन्होंने कहा कि यह पैसा सड़कों, विद्यालयों और पेयजल पर खर्च किया जाना चाहिए था, लेकिन बीजद ने इसका ''दुरुपयोग'' किया। मोदी ने सवाल किया कि बीजद सरकार ने ओडिशा को क्या दिया है? उन्होंने खुद ही इसका जवाब देते हुए कहा कि बीजद ने राज्य को भू-माफिया, रेत माफिया, कोयला माफिया और खनन माफिया दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीजद विधायक और मंत्री दिन-रात इसी तरह के कामों में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य को अपेक्षाकृत अधिक धनराशि आवंटित कर रही है, लेकिन बीजद सरकार इस धन का ''दुरुपयोग'' कर रही है। उन्होंने कहा कि बीजद सरकार के हाथों में न तो ओडिशा के खनिज संसाधन और न ही सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित है।

नरेन्द्र मोदी मोदी ने पिछले छह साल से भगवान जगन्नाथ के रत्न भंडार की चाबियों के गायब रहने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यहां तक कि पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर भी इस सरकार के हाथों में सुरक्षित नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, मुख्यमंत्री के इर्द-गिर्द रहने वाला एक समूह इसके लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि एक विशेष माफिया ने सभी क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है और वह राज्य में किसी तरह की प्रतिस्पर्धा नहीं रहने देता। मोदी ने कहा, ओडिशा में भाजपा के सरकार बनाने पर हम इस माफिया की रीढ़ की हड्डी को तोड़ देंगे।

सहानुभूति हासिल करने के लिए केजरीवाल पर हमला करा सकती है आप : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को दावा किया कि 25 मई को दिल्ली में लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) जनता की सहानुभूति हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला करा सकती है।

सचदेवा ने दिल्ली पुलिस और निर्वाचन आयोग (ईसी) से मुख्यमंत्री की सुरक्षा बढ़ाने को भी कहा। कुछ मेट्रो ट्रेन के अंदर केजरीवाल के विरुद्ध दीवार लेखन पाए जाने के बाद राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, दिल्ली की मंत्री आतिशी और सौरभ भारश्रे सहित आप के कई नेताओं ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने केजरीवाल को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची है। सचदेवा ने आप और केजरीवाल पर पलटवार करते हुए कहा कि वे मुख्यमंत्री आवास के अंदर राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल पर

कथित हमले से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, केजरीवाल से मेरा एकमात्र सवाल यह है कि वह अपने घर में मालीवाल पर हमले की घटना पर अपनी चुप्पी कब तोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मालीवाल हमले के मुद्दे से केजरीवाल क्यों भाग रहे हैं? उन्होंने कहा कि संजय सिंह ने अपने संवाददाता सम्मेलन में लंबी बात की लेकिन मालीवाल के बारे में एक शब्द भी नहीं बोला। सचदेवा ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि आप केजरीवाल पर हमले की बात कर रही है। उन्होंने दावा किया कि 8 अप्रैल 2014 और 25 अगस्त 2016 को केजरीवाल पर उनकी ही पार्टी के समर्थकों ने हमला किया था। सचदेवा ने दावा किया, ये हथकंडे बार-बार नहीं चल सकते। सिंह द्वारा आज प्रस्तुत की गई 'स्क्रिप्ट' इंगित करती है कि आप ने वे दिन तय कर लिए हैं जब केजरीवाल पर जूते फेंके जाने हैं और जब उन पर हमला किया जाना है। उन्होंने कहा कि यदि केजरीवाल को कुछ हुआ तो इसके लिए वह खुद और आम आदमी पार्टी जिम्मेदार होगी। मैं पुलिस और निर्वाचन आयोग से केजरीवाल की सुरक्षा दोगुनी करने के लिए कहूंगा। उन्होंने राजनीतिक नौटंकी करने के लिए केजरीवाल की आलोचना की और कहा कि दिल्ली में लोग जलापूर्ति संकट से पीड़ित हैं और दिल्ली के मुख्यमंत्री ने मंत्री को लोगों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था, और जब वह जेल से बाहर हैं, तब उन्हें इसकी कोई चिंता नहीं है।

उन्होंने कहा, झूठ बोलना और फैलाना और नया नाटक करना आम आदमी पार्टी का चरित्र है। लगातार झूठ बोलना उनकी कार्यशैली है लेकिन लोग अब उनके बहकावे में आने वाले नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता की सहानुभूति हासिल करने के लिए केजरीवाल और आप अगले तीन से चार दिनों में केजरीवाल पर हमला करा सकते हैं।

अच्छे दिन आने वाले हैं, मोदी जी जाने वाले हैं : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

'अच्छे दिन आने वाले हैं, मोदी जी जाने वाले हैं : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधने के लिए सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 2014 के नारे में बदलाव करते हुए कहा कि 'अच्छे दिन आने वाले हैं, मोदी जी जाने वाले हैं। ' उन्होंने साथ ही विश्वास जताया कि विपक्षी 'इंडि' गठबंधन लोकसभा चुनाव के बाद विजयी होकर उभरेगा।

आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने उनकी अनुपस्थिति में चुनाव प्रचार अभियान का कमान संभाल लेने के लिए अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल की तारीफ की और उन्हें 'झांसी का रानी' बताया। सुनीता केजरीवाल भी सोमवार को चुनावी सभाओं में अरविंद केजरीवाल के साथ पहली बार नजर आईं। अरविंद केजरीवाल ने पूर्वी दिल्ली के गांधीनगर में एक नुक्कड़ सभा में कहा, आज मैं अपने साथ अपनी पत्नी को भी लाया हूं। उन्होंने मेरी अनुपस्थिति में प्रभार संभाल लिया था। जब मैं जेल में था, वह मुझसे मिलने आया करती थीं। मैं उनसे अपने दिल्लीवासियों का हालचाल पूछा करता था और आपको अपना संदेश भेजता था। वह झांसी की रानी की जैसी है।

सुनीता केजरीवाल ने भी लोगों को संबोधित किया और उनसे आप के पक्ष में वोट डालने की अपील की ताकि उनके पति को फिर जेल में नहीं भेजा जाए। उन्होंने कहा, यह आपके आशीर्वाद का ही फल है कि मेरे पति आज यहां हमारे साथ हैं।

पति ने डाक से पत्र भेजकर पत्नी को तीन तलाक दिया, मामला दर्ज

रतलाम (मप्र)/भाषा। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में अपनी पत्नी को डाक से तीन पत्र भेजकर कथित तौर पर तीन तलाक देने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

आलोट थाने के प्रधान आरक्षक अनिल भावसन ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने रविवार को उज्जैन जिले के घोसला निवासी ईशान सतानिया के खिलाफ मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के तहत मामला दर्ज किया है।

शिकायत का हवाला देते हुए अधिकारी ने कहा कि जोड़े ने नवंबर 2020 में शादी की और इसके तुरंत बाद महिला के ससुराल वालों ने उसे दहेज के लिए परेशान करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, महिला अपने माता-पिता के साथ चली गई और आलोट पुलिस थाने में दहेज उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई।

अधिकारी ने बताया कि सतानिया ने कथित तौर पर अपनी पत्नी को 28 फरवरी, दो अप्रैल और आठ मई को तीन तलाक देने के लिए डाक से तीन पत्र भेजे।

अधिकारी ने बताया कि इन पत्रों को पुलिस के सामने पेश किया गया है।

'क्या शुभेंदु अधिकारी से जुड़ा मामला भाजपा की वॉशिंग मशीन में धुल गया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभाओं की पृष्ठभूमि में राज्य से संबंधित कुछ विषयों को लेकर उन पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी से जुड़ा सीबीआई का मामला भारतीय जनता पार्टी की वॉशिंग मशीन में धुल गया।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, क्या पीएम के पास कुर्मी समुदाय की मांगों का कोई समाधान है? क्या प्रधानमंत्री अभिजीत गांगुली के देश विरोधी बयानों पर अपना रुख स्पष्ट करेंगे? क्या शुभेंदु अधिकारी से जुड़ा सीबीआई का मामला भाजपा की वॉशिंग मशीन में धुल गया?'' उन्होंने दावा किया, वोट बैंक की राजनीति करते हुए मोदी सरकार ने कुर्मी समुदाय की किसी भी मांग को स्वीकार किए बिना उनका बेशर्मी से इस्तेमाल किया है। यह समुदाय लंबे समय से अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग कर रहा है, लेकिन राज्य सरकार द्वारा 2017 में केंद्र को सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान की रिपोर्ट सौंपने के बावजूद, मोदी सरकार इस मामले पर टाल-मटोल

कर रही है। कांग्रेस महासचिव ने सवाल किया, भाजपा ने कुर्मी समुदाय को इतने सालों तक धोखा क्यों दिया? क्या निवर्तमान प्रधानमंत्री कभी कुर्मी समुदाय के मुद्दे पर दिखावा करना बंद करेंगे और सही मायने में जाति जनगणना के लिए प्रतिबद्ध होंगे? क्या वह कुर्मी समुदाय की धार्मिक प्रथाओं को मान्यता देंगे?'' उन्होंने कोलकाता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गांगुली का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा से चुनाव लड़ने के लिए गांगुली के इस्तीफे ने भारत की न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रमेश ने कहा, अब, गांगुली की भारतीय राष्ट्रवाद के प्रति प्रतिबद्धता भी सवालों के घेरे में आ गई है। जब गांधी और गोडसे के बीच चयन करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस विकल्प के बारे में सोचने के लिए समय की आवश्यकता होगी।

रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम की नहीं राजनीति में लिप्त संतों की आलोचना की : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ओंडा/पांसकुड़ा (प. बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ की उनके परोपकारी कार्यों के लिए प्रशंसा करते हुए सोमवार को कहा कि वह किसी संस्था के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्होंने राजनीति में शामिल होने के लिए एक या दो लोगों की आलोचना की थी। बनर्जी ने शनिवार को आरोप लगाया था कि दोनों मठों के कुछ संत-संन्यासी ''भाजपा के निर्देश पर'' काम कर रहे हैं।

ममता के इस बयान की प्रधानमंत्री मोदी ने तीखी आलोचना की। मोदी ने आरोप लगाया कि ममता ''मुस्लिम चरमपंथियों के दबाव में हैं'' और तृणमूल कांग्रेस के वोट बैंक को ''तुष्ट'' करने के लिए इन सामाजिक-धार्मिक संगठनों को धमकी दे रही हैं। बांकुड़ा के ओंडा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, मैं रामकृष्ण मिशन के खिलाफ नहीं हूं, मैं किसी संस्था के खिलाफ क्यों होऊं या उसका अपमान क्यों करूं। उन्होंने कहा, मैंने एक या दो लोगों के बारे में बात की। मुख्यमंत्री ने भारत सेवाश्रम संघ की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि यह लोगों के लिए काम करता है। बनर्जी ने कहा, मैंने कार्तिक महाराज के बारे में बात की थी, उन्होंने रेजिनगर में तृणमूल कांग्रेस के एजेंट को (मतदान केंद्र में) बैठने की अनुमति नहीं दी थी। उन्होंने दावा किया कि मुर्शिदाबाद जिले में भारत सेवाश्रम संघ के संत (महाराज) भाजपा के लिए काम कर रहे हैं।

दीप्ति ने विश्व पैरा चैम्पियनशिप में 400 मीटर टी20 में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोबे (जापान)/भाषा। भारत की दीप्ति जीवनजी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर टी20 रेस में 55.07 सेकेंड के विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। पैरा एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता दीप्ति ने अमेरिका की ब्रियाना क्लार्क का 55.12 सेकेंड का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा जो उसने पिछले साल पेरिस में बनाया था।

तुर्की की एसिल ओंडर 55.19 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रही जबकि एक्वाडोर की लिजांशेला एंगुलो 56.68 सेकेंड का समय निकालकर तीसरे स्थान पर रही। दीप्ति ने रविवार को एशियाई रिकॉर्ड समय 56.18 सेकेंड के साथ अपनी

हीट रेस जीती थी। टी20 वर्ग की रेस बौद्धिक रूप से अक्षम खिलाड़ियों के लिए है। दीप्ति ने पिछले साल हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों की 400 मीटर टी20 स्पर्धा में 56.69 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था जो तत्कालीन एशियाई रिकॉर्ड था। दीप्ति जूनियर और सीनियर चैम्पियनशिप में सक्षम शरीर वाले खिलाड़ियों के साथ भी चुनौती पेश कर चुकी हैं। सक्षम शरीर वाले खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए उन्होंने जूनियर स्तर पर कई पदक जीते हैं। उन्होंने सीनियर स्तर पर सक्षम खिलाड़ियों के साथ पिछली बार चेन्नई में 2022 राष्ट्रीय अंतर राज्यीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था जहां उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर रेस में प्रतिस्पर्धा पेश की थी।

योगेश कथुनिया ने पुरुषों के एफ 56 वर्ग चक्का फेंक में 41.80 मीटर के साथ रजत पदक जीता।

भाग्यश्री महाराव ने भी महिला गोला फेंक एफ34 वर्ग में 7.56 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता। भारत ने अब तक एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जीत लिए हैं। रविवार को निशाद कुमार (टी47 ऊंची कूद) और प्रीति पाल (टी35 200 मीटर) ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीता था।

मलेशिया मास्टर्स में खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगी पीवी सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुआलालम्पुर/भाषा। ब्रेक से लौटी पी वी सिंधू पेरिस ओलंपिक से पहले यहां मंगलवार से शुरू हो रहे मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत दर्ज करके अपना मनोबल ऊंचा करने के इरादे से उतरेगी।

पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू ने उबेर कप और थाईलैंड ओपन में भाग नहीं लिया। अब वापसी करते हुए उनका लक्ष्य इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट में महिला एकल में अच्छा प्रदर्शन करने का होगा। वह पिछले साल अक्टूबर में घुटने की चोट से उबरने के बाद से फॉर्म में नहीं है। ओलंपिक में रजत और कांस्य पदक जीत चुकी सिंधू का रिटर्न पहले की तरह नहीं रहा है और कई करीबी मुकाबले वह हार गई हैं। वह छह प्रतिस्पर्धाओं में से दो में ही क्वार्टर फाइनल तक पहुंच सकी हैं। पिछली बार वह 2022 सिंगापुर ओपन में खिताब जीती थी। पहले दौर में उनका सामना स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर से होगा। इस टूर्नामेंट में एंग सि यंग, चेन यू फेइ, अकाने यामागुची और कैरोलिना मारिन जैसे सितारे भाग नहीं ले रहे हैं।

सुविचार

जिंदगी आपको अगर सौ कारण दे रही है रोने के लिए, तो आपको जिंदगी को दिखाना है, कि आपके पास हजार कारण है, मुस्कुराने के लिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ईरानः सत्ता-संघर्ष के संकेत

पश्चिमी देशों समेत इज़राइल के साथ तनातनी के बीच ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का हेलीकॉप्टर हादसे में निधन होना इस देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। रईसी उन नेताओं में से थे, जो अपने करियर के शुरुआती दिनों से ही प्रभावशाली लोगों के करीबी माने जाते थे। वे ईरान में क्रांति के नेता खुमैनी के आंदोलनों में भी जोर-शोर से शामिल हुए थे। उनके साथ कई बड़े विवाद जुड़े रहे, जिन्होंने राष्ट्रपति बनने पर भी उनका पीछा नहीं छोड़ा था, लेकिन अब वे बातें इतिहास का हिस्सा बन गई हैं। रईसी का हेलीकॉप्टर जिस तरह हादसे का शिकार हुआ, उससे कई सवाल पैदा होते हैं। अभी हादसे की वजह 'खराब मौसम' सामने आई है। क्या ईरानी राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर के उड़ान भरने से पहले चालक दल के साथ मौसम संबंधी सूचना साझा नहीं की गई थी? हेलीकॉप्टर में राष्ट्रपति और विदेश मंत्री समेत बहुत महत्त्वपूर्ण व्यक्ति बैठे थे। अगर मौसम संबंधी सूचना मिलने के बावजूद हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी तो इसमें स्पष्ट रूप से बड़ा जोखिम था, जिसे टालना चाहिए था। ईरानी राष्ट्रपति के काफिले में तीन हेलीकॉप्टर बताए जा रहे हैं, लेकिन उनमें से दो सही-सलामत उतर गए। सिर्फ रईसी का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस घटना के बाद सबसे पहले तो इज़राइल की भूमिका को लेकर सवाल उठेंगे। सोशल मीडिया पर ऐसे सवालों की बौछार शुरू हो गई है। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने जिस तरह इज़राइल पर हमला बोला था, उसके बाद ईरान के तेवर काफी तीखे हो गए थे। ईरानी अख़बारों ने हमास का खुलकर साथ दिया और उसके समर्थन में नेताओं के बयानों को प्रथम पृष्ठ पर जगह दी गई थी।

इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद पर ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वह ईरान के 'महत्त्वपूर्ण लोगों' को निशाना बनाती है। ईरान के कई वैज्ञानिकों और सैन्य अधिकारियों की 'विदेशी हमलों' में मौत हो चुकी है, जिससे इस देश के परमाणु कार्यक्रम और सुरक्षा को बड़ा झटका लगा। हालांकि ईरान भी ऐसा कोई मौका हाथ से नहीं जाने देता। तेरह अप्रैल को ईरानी सशस्त्र बलों की शाखा आईआरजीसी ने इराकी लड़ाकों, लेबनानी आतंकवादी समूह हिज्बुल्लाह और अंसार अल्लाह (हूती) के सहयोग से इज़राइल पर हमला बोला था। उसमें बड़ी संख्या में ड्रोन, मिसाइलों और गोला-बारूद का उपयोग किया गया, लेकिन इज़राइल को कोई खास नुकसान नहीं हुआ था। उसने हमले को विफल कर दिया था। उसके साथ ही यह तय माना जा रहा था कि अब इजराइल कोई बड़ी कार्रवाई करेगा। हालांकि 'बड़ी कार्रवाई' के तौर पर ईरानी राष्ट्रपति और विदेश मंत्री को निशाना बनाने की बात गले नहीं उतरती, क्योंकि इसका सीधा मतलब है- जंग को दावत देना। अभी इज़राइल हमास से जूझ रहा है। गाजा में संघर्ष रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय नेताओं ने बयान तो खूब दिए, लेकिन धरातल पर कोई ठोस कदम उठाने में कामयाब नहीं रहे। वहां हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में इज़राइल एक और मोर्चा खोलते हुए ईरान से भिड़ंत मोल लेने की भूल नहीं करेगा। इब्राहिम रईसी का जैसा करियर रहा, उसको ध्यान में रखते हुए उन्हें ईरान में भविष्य का 'सर्वोच्च नेता' भी माना जाता था, जो इस देश में सबसे ज्यादा शक्तिशाली पद होता है। वे खामेनेई के उत्तराधिकारी होने के प्रबल दावेदार थे। सात मार्च, 2019 को खामेनेई के आदेश से रईसी को न्यायपालिका का प्रमुख नियुक्त किया गया था। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान न्यायिक सुधारों को लेकर महत्त्वपूर्ण कदम उठाए थे। आर्थिक भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों के संबंध में कार्रवाई करने और न्यायिक दक्षता को बढ़ाने के लिए खामेनेई ने उनकी तारीफ की थी। रईसी के निधन के बाद ईरान की राजनीति में जो खालीपन पैदा हुआ है, वह शीर्ष नेताओं के बीच बड़े सत्ता-संघर्ष का कारण बन सकता है।

ट्वीटर टॉक

हमारी सरकार का 10 साल का ट्रैक रिकॉर्ड है- चाहे आतंकवाद के खिलाफ हमारा काम हो, चाहे सुरक्षा को लेकर हमारा काम हो, चाहे विकास को लेकर हमारा काम हो, चाहे विदेश नीति हो... देश की जनता इन सारी बातों को देखती है।

-नरेन्द्र मोदी

छत्तीसगढ़ में भीषण सड़क हादसे में 18 लोगों की मृत्यु का समाचार बेहद दुःखद हैं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं की दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

-वसुंधरा राजे

माननीय न्यायालय द्वारा वर्ष 2023 में भीलवाड़ा स्थित कोटड़ी में भट्टी गैंगरेप व हत्या के मामले में दोषियों को मृत्युदंड की सजा का निर्णय स्वागतयोग्य है। प्रदेश में बालिकाओं के साथ अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

संवेदनशील वैज्ञानिक

डॉ. होमी जहांगीर भाभा को भारत के परमाणु कार्यक्रम का शिल्पकार कहा जाता है। उन्हें पेड़-पौधों से प्यार था। एक बार डॉ. भाभा मुंबई के पेडर रोड स्थित अपने आवास के पास से गुजर रहे थे। उन्होंने देखा कि कुछ मजदूर एक हरेभरे पेड़ को काट रहे हैं। डॉ. भाभा ने मजदूरों से पूछा, 'तुम इसे काट क्यों रहे हो?' एक मजदूर बोला, 'साहब, हमें तो कहा गया है कि सड़क चौड़ी करने के लिए इस पेड़ को काटना जरूरी है। इसलिए हम इसे काट रहे हैं।' मजदूर की बात सुनकर डॉ. भाभा बोले, 'तुम बस एक घंटा इंतजार करो।' उन्होंने एक अधिकारी को बुलाकर पूछा कि क्या किसी खड़े वृक्ष को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाकर लगाया जा सकता है। अधिकारी बोला, 'सर, कोशिश करने पर सफलता मिल सकती है।' डॉ. भाभा ने उस अधिकारी को तुरंत पेडर रोड भेजकर उस वृक्ष को सावधानीपूर्वक जड़ सहित निकालकर क्रेन की सहायता से अन्यत्र लगवाया।

सामयिक

पहले चरण के साथ विपक्ष ने प्रकट और अप्रकट अल्पसंख्यकों के नाम पर मुसलमान से जुड़े उन मुद्दों को उभारा जिनके विरुद्ध प्रतिक्रिया में भाजपा की ताकत बढ़ती रही है। इस चुनाव का यह दुर्भाग्यपूर्ण पहलू है कि स्वयं मुसलमानों के अंदर पढ़े -लिखे और अगुवा वर्ग ने चुनाव को इस्लाम मजहब का विषय बनाया, इसके आधार पर पूरे समुदाय से भाजपा के विरुद्ध वोट करने कि सार्वजनिक अभियान चलाया है,पर किसी भी विपक्ष के नेता ने इसका विरोध नहीं किया। पहले चरण के बाद दूसरे, तीसरे और चौथे चरण तक यह विषय चरम पर पहुंचा और स्वयं प्रधानमंत्री एवं भाजपा की इसके विरुद्ध प्रतिक्रियाओं ने निश्चय ही मतदान को प्रभावित किया होगा।

पांच चरणों के मतदान के क्या हैं संकेत ?

अवधेश कुमार

मोबाइल : 98110 27208

लोकसभा चुनाव के चार चरण पूरे होने के बाद कुल 543 स्थानों में से 428 का मतदान संपन्न हो चुका है। एक सूरत में भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध जीत चुका है। वस्तुत: अब तक तमिलनाडु, केरल, गुजरात, राजस्थान, कर्नाटक, असम, गोवा, त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मिजोरम, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, पुद्दुचेरी , लक्षद्वीप ,अंडमान, दमन और दीव, दादरा एवं नगर हवेली में मतदान समाप्त हो गया है। इनमें आठ राज्यों तथा दो केंद्र शासित प्रदेशों में बीजेपी कभी शक्तिशाली नहीं रही। पहले चरण में 102, दूसर में 88, तीसरे में 93, चौथे में 96 एवं चौथे में 49 सीटों पर मतदान हुआ। अब केवल 114 स्थान का ही मतदान बाकी है। हालांकि अभी पंजाब,हरियाणा, दिल्ली जैसे राज्यों का मतदान बाकी है। बावजूद चुनाव से संबंधित मुद्दे, पार्टियों की रणनीतियां, मतदान की प्रवृत्तियां आदि काफी हद तक हमारे सामने आ चुके हैं। इसलिए लोकसभा चुनाव के अभी तक के मतदान के आधार पर कुछ स्पष्ट दिखती तस्वीरें तथा संकेतों और संदेशों को समझाना ज्यादा आसान हो गया है।

चौथे चरण में 69.15 प्रतिशत मतदान हुआ जो 2019 से 3.65 प्रतिशत अधिक है। इस तरह मतदान गिरने की प्रवृत्ति रुकी है। चुनाव आयोग द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार तीसरे चरण में 65.68 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 में इस चरण में 68.4 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसमें असम में सर्वाधिक 85.45 प्रतिशत, गोवा में 76.00 प्रतिशत, बिहार में 59.15 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 57.55 प्रतिशत मतदान हुआ। पहले चरण में 66.14 प्रतिशत तथा दूसरे में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2019 के लोकसभा चुनाव में पहले चरण में 69.4 प्रतिशत और दूसरे में 69.6 4 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस तरह देखें तो पहले चरण में 3.3 प्रतिशत, दूसरे में करीब 2.9 प्रतिशत एवं तीसरे चरण में 2.72 प्रतिशत की कमी आई है। कुल मिलाकर मोटा-मोटी 2019 की तुलना में 2.5 प्रतिशत के आसपास मतदान राष्ट्रीय स्तर पर कम हुआ है। सामान्यतया राष्ट्रीय स्तर पर इतना मतदान कम होना बहुत ज्यादा नहीं लगता, किंतु राज्यों के अनुसार देखें तो इनमें काफी उतार - चढ़ाव है। मसलन महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात, मध्यप्रदेश, केरल जैसे राज्यों में मतदान का प्रतिशत ज्यादा कम रहा। दूसरी ओर पूर्वोत्तर के लोगों ने भारी मतदान किया। पश्चिम बंगाल का लगभग 73 - 74.4 प्रतिशत मतदान भी अभी तक अच्छा है लेकिन यह पिछले चुनाव से काफी कम है। राज्यों के अंदर भी अलग-अलग क्षेत्र में कम और ज्यादा मतदान हुआ है। इसमें सबसे सबके दिमाग में यह प्रश्न कौंध रहा है कि किसके मतदाता कम संख्या में निकले?

परिणाम के पूर्व कोई भी भविष्यवाणी जोखिम भरी है। महिला मतदाताओं की संख्या के आधार पर पिछले लोकसभा चुनाव और राज्य विधानसभा चुनावों में माना जा रहा था कि जहां भी भाजपा है वहां इनका ज्यादातर मत उसे ही मिलता है। इस चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या असम और पश्चिम बंगाल में 83 प्रतिशत से अधिक रही, आए जो देश में सबसे ज्यादा है। शेष जगह महिलाओं का मतदान सामान्य रहा और पुरुषों की तुलना में ज्यादातर जगह कम। इन सबके निश्चय ही निहितार्थ हैं। क्या हैं निहितार्थ? विपक्ष के दावों के बावजूद देश भर में यह नहीं देखा गया कि कहीं भी व्यापक स्तर पर जनता के अंदर नरेंद्र मोदी सरकार को सत्ता से हर हाल में उखाड़ फेंकने का सामूहिक वातावरण है। इसी तरह विपक्ष को केंद्र की सत्ता में स्थापित करना है ऐसा सामूहिक प्रखर भाव भी कहीं देखा नहीं गया। स्थानीय स्तरों पर भाजपा के नेताओं -कार्यकर्ताओं और समर्थकों के एक समूह में कई कारणों से उदासीनता और असंतोष दिखा है। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के साथ बना हुआ स्वाभाविक अभूतपूर्व वातावरण निश्चित रूप से कमजोर पड़ा और चुनाव की अंतर्धारा में यह सशक्त रूप से सब जगह कायम नहीं रहा। ऐसा नहीं था कि लोगों ने 500 वर्षों के बाद मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा से भावनात्मक रूप से स्वयं को जोड़ा नहीं लेकिन उसे बनाए रखने के लिए उम्मीदवार, गठबंधन तथा अन्य सरकारी सम्मानों के लिए चयनित व्यक्तियों का व्यक्तित्व उसके अनुरूप होना चाहिए। अगर इनमें राममंदिर, हिंदुत्व और प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व की झलक नहीं होगी तो कार्यकर्ता और प्रतिबद्ध समर्थक चुनाव में करो या मरो के भाव से काम नहीं कर पाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर मतदान करना है तो चाहे बीजेपी हो या गठबंधन उनमें भी उस तरह की प्रखरता सामने दिखने चाहिए थी। बावजूद भाजपा के नेता, कार्यकर्ता और प्रतिबद्ध समर्थक गुस्से और प्रतिशोध के भाव में एकमुश्त उसके विरुद्ध मतदान कर देंगे ऐसा मानने का ठोस आधार नहीं दिखता है। भाजपा विरोधी जितना प्रचार करें चार चरणों के चुनाव में इस तरह की व्यापक प्रवृत्तियों की रिपोर्ट नहीं है। हां, अप्रतिबद्ध मतदाता इधर से उधर जाते हैं और इस चुनाव में गए हैं। किंतु अभी तक की प्रवृत्तियों में ऐसा नहीं दिखा है कि दो लोकसभा चुनावों से भाजपा के साथ खड़े होने वाले मतदाताओं का बहुत बड़ा समूह बिल्कुल विपक्ष के साथ भाजपा को हराने की मानसिकता से चला गया।

चुनाव प्रक्रिया आरंभ होने के बाद कांग्रेस से निकले नेताओं ने जिस तरह पार्टी को हिंदुत्व और राम मंदिर विरोधी घोषित किया उसका इतना अर्थ तो है ही कि यह मुद्दा मूर्त रूप में विद्यमान है। विपक्ष वैसे मुद्दों पर सरकार को घेरे जिनमें तथ्य हों और वे सच भी हों तो आम लोग प्रभावित होंगे। अभी तक के चुनाव में विपक्ष ने उन मुद्दों को सबसे ऊपर लाने की कोशिश की है जिनमें ज्यादातर सच नहीं है। उदाहरण के लिए भाजपा ने 400 सीटों का नारा इसलिए दिया कि वह संविधान और आरक्षण को खत्म कर सके। इसी तरह यह कि नरेंद्र मोदी सत्ता में आ गए तो आगे चुनाव नहीं होगा।

यानी यह फासिस्ट और उच्च जातियों की मानसिकता वाली पार्टी है जो लोकतंत्र के अनुकूल व्यवस्था को रहने नहीं देगी। ये सब वही आरोप हैं जो संघ परिवार और भाजपा पर वर्षों से लगाए जाते रहे और हमेशा गलत साबित हुए। ऐसा नहीं है कि लगातार इस दुष्प्रचार से मतदाता बिल्कुल प्रभावित नहीं हुए लेकिन 10 वर्षों के शासनकाल में ऐसा नहीं हुआ जबकि पहले भी यही आरोप लगाया गया था। तो आगे होगा इस पर मतदाताओं का व्यापक समूह विश्वास नहीं कर सकता। लोगों के सामने यह सच भी है कि भाजपा ने सत्ता में आने के बाद आरक्षण व्यवस्था को ज्यादा सुसंगत और तार्किक बनाया है। आर्थिक रूप से कमजोर की सूची में आरक्षण के लिए मुसलमान सहित सभी को शामिल किया है। संविधान दिवस की शुरुआत करने वाली पार्टी संविधान को खत्म कर देगी इस पर सहसा कौन विश्वास करेगा?

आप देखेंगे कि पहले चरण के साथ विपक्ष ने प्रकट और अप्रकट अल्पसंख्यकों के नाम पर मुसलमान से जुड़े उन मुद्दों को उभारा जिनके विरुद्ध प्रतिक्रिया में भाजपा की ताकत बढ़ती रही है। इस चुनाव का यह दुर्भाग्यपूर्ण पहलू है कि स्वयं मुसलमानों के अंदर पढ़े -लिखे और अगुवा वर्ग ने चुनाव को इस्लाम मजहब का विषय बनाया, इसके आधार पर पूरे समुदाय से भाजपा के विरुद्ध वोट करने कि सार्वजनिक अभियान चलाया है,पर किसी भी विपक्ष के नेता ने इसका विरोध नहीं किया। पहले चरण के बाद दूसरे, तीसरे और चौथे चरण तक यह विषय चरम पर पहुंचा और स्वयं प्रधानमंत्री एवं भाजपा की इसके विरुद्ध प्रतिक्रियाओं ने निश्चय ही मतदान को प्रभावित किया होगा। कुछ राज्यों विशेषकर तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश,पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में साफ दिख रहा है कि सनातन, हिंदुत्व, राम मंदिर मतदाताओं को प्रभावित करने वाला बड़ा कारक है और वहां की सत्तारूढ़ दलों के विरुद्ध प्रतिक्रिया में भाजपा को वोट मिला है। संदेशखाली बंगाल चुनाव को प्रभावित कर रहा है। बंगाल, उड़ीसा और तेलंगाना में भाजपा शानदार प्रदर्शन करें तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इसी तरह केरल और तमिलनाडु में भी उसका प्रदर्शन संतोषजनक हो सकता है।

वस्तुत: सभी पार्टियों को चुनाव में परिपक्व लोकतांत्रिक व्यवहार का परिचय देना चाहिए था। महान सभ्यता -संस्कृति वाले इस देश के चरित्र को केंद्र में रखते हुए अर्थनीति, विदेश नीति, रक्षा नीति, सामाजिक- सांस्कृतिक नीति आदि पर गंभीर बहस से चुनाव को सही पटरी पर लाया जा सकता था। प्रधानमंत्री ने स्वयं चुनाव अभियान की शुरुआत 2047 तक भाजपा को विकसित देश बनाने, अगले 5 वर्ष से लेकर सरकार में आने पर 100 दिन के एजेंडे की बात की। लेकिन संविधान और आरक्षण खत्म करने, लोकतंत्र का अंत करने, अल्पसंख्यकों विशेषकर मुसलमानों के मजहबी अधिकार समाप्त कर देने के साथ अलग-अलग जातियां के समर्थन और विरोध जैसे आरोप इतने हाबी हो गए कि अंततः ये चुनाव का मुख्य मुद्दे हो गये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अयोध्या में श्रीरामलला का दर्शन और रोड शो वास्तव में चुनाव को इनके साथ जातीय, स्थानीय और छोटा स्वार्थों वाले मुद्दों से निकालकर व्यापक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य की पटरी पर लाने की कोशिश थी। जो स्थिति हो गई है उसमें यह मानने का कोई कारण नहीं कि शेष दो चरणों में ये मुद्दे नहीं रहेंगे।

नजरिया

जरूरी है आतंकवाद के फन को कुचलना

योगेश कुमार गोयल

फोन : 9416740584

जम्मू कश्मीर दशकों से आतंक के खौफनाक साये में जी रहा है, देश के अन्य हिस्सों में भी कभी किसी भरे बाजार में तो कभी किसी वाहन में आतंकी निर्दोषों के लहू से होली खेलकर आनंदित होते रहे हैं। पिछले कई वर्षों से देश आतंकवाद का यह खामियाजा भुगत रहा है, जिसके कारण अभी तक हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके हैं, अनेक परिवार तबाह हो चुके हैं, बच्चे अनाथ हुए हैं, बहुत सी माएं-बहनें विधवा हो गई तो कहीं बुजुर्गों के बुढ़ापे की लाठी इसी आतंकवाद ने छीन ली। दरअसल आतंकवादी ऐसी वहशी घटनाओं को अंजाम देकर और किसी भी तरह का खूनखराबा करके आम लोगों के मन में भय पैदा करना चाहते हैं। उनके ऐसे घिनौने कृत्यों से न जाने कितने ही हंसते-खेलते परिवार एक ही झटके में बर्बाद हो जाते हैं। आतंकवाद रूपी इसी भयानक समस्या से निपटने के लिए भारत द्वारा 21 मई का दिन राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। यह दिवस वास्तव में उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने आतंकवादी हमलों में अपनी जान गंवाई और यह उन हजारों सैनिकों के बलिदान का सम्मान भी करता है, जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस की आधिकारिक घोषणा 21 मई 1991 को भारत के सातवें प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद की गई थी, जो लिट्टे के एक आतंकवादी अभियान के दौरान तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में मारे गए थे। राजीव गांधी श्रीपेरंबदूर में एक रैली को संबोधित करने गए थे, जहां लिट्टे से संबंधित एक महिला आतंकी अपने कपड़ों में विस्फोटक छिपाकर उनके पैर छूने के बहाने नीचे झुकी तो जबरदस्त बम धमाके में राजीव गांधी सहित करीब 25 लोगों की मौत हो गई थी। राजीव गांधी की हत्या के बाद तत्कालीन वी.पी. सिंह सरकार द्वारा 21 मई को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस दिवस को मनाने का अहम उद्देश्य यही है कि देश में आतंकवाद, हिंसा के खतरे और उनके समाज, लोगों तथा देश पर पड़ने वाले खतरनाक असर के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए। इस दिन सरकारी कार्यालयों, उपक्रमों तथा अन्य संस्थानों में आतंकवाद विरोधी शपथ यही दिलाई जाती है कि हम भारतवासी अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते है तथा निष्ठापूर्वक शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे। हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम रखने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ लेते हैं।

देश में आतंकवादियों की कमर तोड़ने के लिए पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार के सख्त कदम उठाए जा रहे हैं, उनके चलते देशभर में आतंकी घटनाओं में कमी दर्ज की जा रही है लेकिन विशेषकर जम्मू कश्मीर में अभी भी पाकिस्तान के पाले-पोसे भाड़े के टट्टू मासूम लोगों के खून से होली खेलने को लालायित रहते हैं। हालांकि बीते कुछ वर्षों में स्थिति में बड़ा बदलाव यही है कि सुरक्षा बलों के हमारे जांबाज लगभग आए दिन, शोपियां हो या कुपवाड़ा अथवा घाटी का अन्य कोई क्षेत्र, कहीं न कहीं मुठभेड़ों में दुर्दान्त आतंकियों को ढ़ेर कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में ही सुरक्षा बलों द्वारा सैंकड़ों कुख्यात आतंकियों को कुत्ते की मौत मारा जा चुका है। आतंकियों के खिलाफ चल रहे सुरक्षा बलों के अभियान के चलते इस वर्ष भी अब तक दर्जनों आतंकियों को मार गिराया गया है, जिनमें कुछ विदेशी आतंकी भी शामिल थे। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के बाद से घाटी में सुरक्षा बलों के एनकाउंटर में सर्वाधिक आतंकवादी मारे गए हैं। हालांकि शोपियां, कुलगाम, पुलवामा जैसे क्षेत्रों में आतंकी समूहों द्वारा स्थानीय युवकों की भर्ती के मामले भी सामने आते रहे हैं लेकिन सबसे ज्यादा मुठभेड़ें भी यहीं हुई। सीआरपीएफ के अनुसार जम्मू कश्मीर में इस समय 91 आतंकी सक्रिय हैं लेकिन सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के कारण पिछले कुछ समय में एनकाउंटर में कई आतंकियों का सफाया किया गया तथा एलओसी के पास घुसपैठ की दर्जनभर कोशिशें भी नाकाम की गईं।

जम्मू कश्मीर में युवाओं के आतंकी संगठनों में भर्ती का मुद्दा सुरक्षा बलों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना रहा है लेकिन राहत की बात यह है कि युवाओं को आतंकवाद के खिलाफ जागरूक करने के चलते आतंकी संगठनों में स्थानीय स्तर पर अब भर्तियां काफी कम हो रही हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक आतंकी संगठनों में स्थानीय लोगों की भर्ती बीते वर्ष उससे पहले के वर्षों के मुकाबले बहुत कम हुई यानी घाटी में स्थानीय लोगों का झुकाव आतंकी संगठनों की ओर कम हो रहा है और इसका सीधा सा अर्थ है कि जम्मू कश्मीर में भी अब आतंकवादियों की कमर तोड़ने में सफलता मिल रही है।

सैन्य अधिकारियों के मुताबिक दुश्मन की ओर से संघर्ष विराम के उल्लंघन, घुसपैठ की कोशिश या किसी अन्य दुस्साहसिक प्रयास का कड़ाई से जवाब दिया जा रहा है। वैसे सैन्य अधिकारियों का स्पष्ट तौर पर कहना है कि आतंकवाद रोधी सख्त अभियान तब तक पूरी ताकत से चलेगा, जब तक कि घाटी में सक्रिय तमाम आतंकवादी आत्मसमर्पण नहीं कर देते या मार नहीं दिए जाते। अधिकारियों के मुताबिक शांति के फायदे लोगों तक पहुंचने से वे अब शांति बनाए रखने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। बहरहाल, देश के कोने-कोने में लोगों को इस दिशा में जागरूक करना ही समय की सबसे बड़ी मांग है कि आतंकवादी संगठनों के दुष्कृत्यों से लोगों के जान-माल तथा समाज का कितना बड़ा नुकसान होता है और अब आतंकवाद के फन को कुचलने के लिए कठोर से कठोर कदम उठाने ही होंगे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रचार

सोमवार को मंडी लोकसभा क्षेत्र के जयराम ठाकुर के साथ झटिंगरी में चुनाव प्रचार करती भाजपा प्रत्याशी कंगना रानौत।

ब्रिटेन में संक्रमित खून के कारण हजारों लोगों की मौत हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन। ब्रिटेन के संक्रमित रक्त प्रकरण की जांच में सोमवार को पाया गया कि अधिकारियों और लोक स्वास्थ्य सेवा ने जानकारी रहने के बावजूद हजारों मरीजों को संदूषित रक्त के जरिये जानलेवा संक्रमण कराया। यह माना जाता है कि ब्रिटेन में, 1970 के दशक से लेकर 1990 के दशक के शुरुआती वर्षों तक एचआईवी या हेपटाइटिस से संक्रमित रक्त आधान करने से करीब 3,000 लोगों की मौत हुई। इस प्रकरण को 1948 से ब्रिटेन की सरकार संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के इतिहास में सबसे घातक आपदा माना जाता है। जांच समिति की अध्यक्षता करने वाले पूर्व न्यायाधीश ब्रायन लैंगस्टाफ ने आपदा को टालने में नाकाम रहने के लिए तत्कालीन सरकारों और मेडिकल पेशेवरों की आलोचना की है। उन्होंने पाया कि आपदा को छिपाने के लिए जानबूझ कर प्रयास किये गए और सरकारी अधिकारियों द्वारा सबूत नष्ट करने के साक्ष्य हैं। लैंगस्टाफ ने कहा, यह आपदा एक दुर्घटना नहीं थी। संक्रमण इसलिए हुए कि प्राधिकार-चिकित्सक, रक्त सेवा प्रदाता और तत्कालीन सरकारों ने मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी। प्रभावित हुए ज्यादातर लोग 'हेमोफिलिया' से ग्रसित थे। इसके चलते रक्त में थक्का बनना कम हो जाता है। 1970 के दशक में मरीजों को नया उपचार दिया गया जिसे ब्रिटेन ने अमेरिका से अपनाया था। कुछ प्लाज्मा, कैदियों सहित ऐसे लोगों के थे जिन्हें रक्त के एवज में भुगतान किया गया था।

जांच रिपोर्ट के अनुसार, करीब 1,250 लोग रक्स्राव की समस्याओं से ग्रसित थे जिनमें 380 बच्चे थे। ये लोग एचआईवी वाले रक्त आधान करने से संक्रमित हुए थे। उनमें से तीन-चौथाई की मौत हो गई, जबकि 5,000 लोग 'हेपटाइटिस सी' से ग्रसित हो गए जो एक प्रकार का यकृत संक्रमण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बीच, रक्त आधान करने पर करीब 26,800 अन्य लोग भी 'हेपटाइटिस सी' से संक्रमित हुए।

इस प्रकरण पर, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के सोमवार देर शाम खेद व्यक्त करने की उम्मीद है और अधिकारियों द्वारा करीब 12.7 अरब अमेरिकी डॉलर के मुआवजे की घोषणा करने की संभावना है। करीब 1,500 पीड़ितों का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता डेस कोलिन्स ने रिपोर्ट के प्रकाशन को सच्चाई का दिन करार दिया।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान समेत अन्य आरोपी तोड़फोड़ के दो मामलों में बरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। मुश्किलों से जूझ रहे इमरान खान को जिला एवं सत्र अदालत के सोमवार के उस आदेश से राहत मिली जिसके तहत पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अन्य नेताओं को तोड़फोड़ के दो मामलों में बरी कर दिया गया। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार, मार्च 2022 के 'लॉन्ग मार्च' के दौरान तोड़फोड़ से संबंधित दो मामलों में अदालत का फैसला 71 वर्षीय 'पीटीआई' संस्थापक और अन्य राजनेताओं द्वारा उन्हें बरी करने के आग्रह को लेकर दायर की गई याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। पार्टी के बरी किए गए अन्य नेताओं में जरताज गुल, अली नवाज अवान, फैसल जावेद, शाह महमूद कुरेशी, कासिम सूरी, राजा खुर्रम नवाज, शिरीन मजारी, सैफुल्ला नियाजी, असद उमर और अवामी मुस्लिम लीग प्रमुख शेख राशिद अहमद शामिल हैं।

कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री की गिरफ्तारी के बाद अधिकारियों द्वारा लगाई गई धारा 144 के उल्लंघन के लिए खान और अन्य नेताओं के खिलाफ कोहसर और कराची कंपनी थानों में मामले दर्ज किए गए थे। यहां संवाददाताओं से बातचीत में खान के वकील नईम पंजोथा ने कहा कि पीटीआई संस्थापक के खिलाफ मामले राजनीतिक प्रतिशोध पर आधारित थे। उन्होंने कहा कि पीटीआई संस्थापक के खिलाफ मार्च के दौरान तोड़फोड़ के मामले में कोई सबूत नहीं पाए गए। कोहसर थाने में दर्ज मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट शहजाद खान ने इमरान खान, कुरेशी, राशिद, अवान, सूरी और नवाज को बरी करने का फैसला सुनाया। अदालत ने इससे पहले 'लॉन्ग मार्च' से जुड़े तोड़फोड़ के मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह घटनाक्रम 15 मई को एक जिला एवं सत्र अदालत द्वारा नौ मई के तोड़फोड़ के दो मामलों में खान को बरी करने के कुछ दिनों बाद आया है।

कौन हैं ईरान के कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किए गए मोहम्मद मोखबर?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर को देश के उत्तर-पश्चिमी इलाके में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद सोमवार को इस्लामी गणराज्य का कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया। मोखबर (68) ईरान के शिया धर्मतंत्र में अन्य राजनीतिक नेताओं की तुलना में काफी हद तक सुर्खियों से दूर रहे हैं। रईसी के निधन के बाद मोखबर अचानक जनता की निगाहों के सामने आए हैं। ईरान में राष्ट्रपति चुनाव से पहले वह लगभग 50 दिन तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में सेवा दे सकते हैं।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने रविवार को हुई दुर्घटना में रईसी की मौत पर जारी एक शोक संदेश में मोखबर की नियुक्ति की घोषणा की। हेलीकॉप्टर का मलबा सोमवार को ईरान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में मिला। मोखबर ने सरकार में प्रमुख पदों पर कार्य किया है। उन्होंने खास तौर पर 'बोनयाद' या धर्मार्थ संगठनों में बड़ी भूमिका निभाई है। ईरान की 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद जब्त की गई संपत्ति से इन संगठनों को बढ़ावा मिला। इनमें वे संपत्तियां भी थीं जो पहले ईरान के शाह या उनकी सरकार से जुड़ी थीं। मोखबर ने दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रुहोल्ला खुमैनी से संबंधित एक धर्मार्थ फाउंडेशन का जिम्मा संभाला। इस संगठन को 'इमाम खुमैनी के आदेश की तामील' (ईआईकेओ) के रूप में जाना जाता है। अमेरिकी कोषागार विभाग का कहना है कि इस संगठन के पास सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की सीधी देखरेख में अरबों डॉलर की संपत्ति का नियंत्रण है, जिसकी ऊर्जा, दूरसंचार और वित्तीय सेवाओं सहित ईरानी अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में हिस्सेदारी है। अमेरिका ने ईआईकेओ पर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों, धार्मिक अल्पसंख्यकों और निर्वासित ईरानियों सहित सरकार के आलोचकों से भूमि और संपत्ति जब्त करके असंतुष्टों के अधिकारों का व्यवस्थित रूप से उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया। इस वजह से अमेरिका ने 2021 में मोखबर पर प्रतिबंध लगाया था। यूरोपीय संघ (ईयू) ने भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बारे में चिंताओं के बीच अन्य लोगों के साथ कुछ समय के लिए मोखबर पर प्रतिबंध लगाया था।

ईआईकेओ के प्रमुख के तौर पर मोखबर ने कोविड-19 महामारी के चरम के दौरान टीका बनाने के प्रयास का निरीक्षण किया और लाखों खुराक बनाने का वादा किया। मोखबर पूर्व में बैंकिंग और दूरसंचार क्षेत्र में भी काम कर चुके हैं। उन्होंने मुस्तजाफान फाउंडेशन में भी काम किया। यह संगठन देश की बड़ी-परियोजनाओं और व्यवसायों का प्रबंधन करता है।

लाहौल-स्पीति में कंगना रनौत को दिखाए काले झंडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार अभिनेत्री कंगना रनौत को सोमवार को लाहौल-स्पीति के काजा में स्थानीय लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाए तथा भाजपा की प्रदेश इकाई ने आरोप लगाया कि उनके काफिले पर पथराव किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कंगना के विरोध में नारे लगाए-कंगना, वापस जाओ, कंगना वंगना नहीं चलेगी। वे जाहिर तौर पर पिछले साल अप्रैल में तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा पर की गई उनकी टिप्पणी से नाराज हैं।

रनौत ने दलाई लामा को लेकर एक 'मीम' सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा था, व्हाइट हाउस में दलाई लामा का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पोस्ट के साथ एक तस्वीर भी साझा की गई जिसमें छेड़छाड़ कर दलाई लामा को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ जीभ बाहर निकालते हुए दिखाया गया। इसके साथ ही तस्वीर पर टिप्पणी की-दोनों को एक ही बीमारी है, निश्चित रूप से इसीलिए दोनों दोस्त हो सकते हैं।

बाद में उन्होंने माफी मांगते हुए कहा कि उनका इरादा किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था और यह बाइडन की दलाई लामा के साथ दोस्ती के बारे में महज एक मजाक था।

भाजपा के खातिर प्रचार के लिए रनौत के साथ काजा गए हिमाचल प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा की बैठक में खलल डालने की कोशिश की और जब वे लौट रहे थे तो उनके काफिले पर पथराव किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पहली बार ऐसा हुआ है यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस को उसी स्थान पर रैली करने की अनुमति दी गई, जहां भाजपा को रैली आयोजित करने के लिए पहले ही अनुमति दी जा चुकी थी।

मतदान

सीतामढी में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के दौरान सोमवार को सीतामढी में एक मतदान केंद्र पर पहचान पत्र दिखाते मतदाता।

'जुबली टॉकीज़ शोहरत-शिद्दत-मोहब्बत' में, नजर आएंगी खुशी दुबे

मुंबई/एजेन्सी

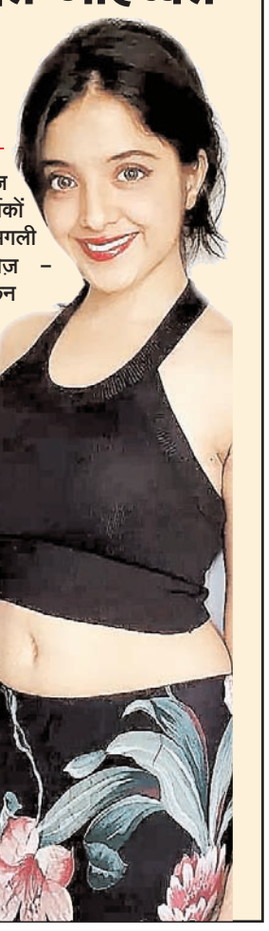

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के आगामी शो 'जुबली टॉकीज़ शोहरत.शिद्दत.मोहब्बत' में, खुशी दुबे ,शिवांगी सावंत की भूमिका में दर्शकों का मनोरंजन करती नजर आयेंगी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न ने अपनी अगली फिक्शन पेशकश, रोमांटिक और पैसनेस ड्रामा 'जुबली टॉकीज़ - शोहरत.शिद्दत.मोहब्बत' की घोषणा की है, जो महाराष्ट्र के एक छोटे लेकिन आधुनिक सुविधाओं वाले शहर में रहने वाली, एक विनम्र लड़की शिवांगी सावंत के सफर को दर्शाता है। सिनेमा के प्रति उसका गहरा प्रेम उसे अपने पिता के सपने को पूरा करने के लिए प्रेरित करता है, जो अपनी बहुमूल्य संपत्ति 'संगम सिनेमा' के खोए हुए गौरव को वापस हासिल करना चाहते थे। खुशी दुबे, शिवांगी सावंत के रूप में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, जो ताकत, ईमानदारी, और उद्देश्य की मजबूत भावना से भरी आधुनिक महिला है। संगम सिनेमा में अपने पिता की विरासत की रक्षा करते हुए, शिवांगी दृढ़ संकल्प से भरी हुई है क्योंकि वह चुनौतियों का डटकर सामना करती है और संगम सिनेमा को सिर्फ कोई बिज़नेस नहीं मानती है, बल्कि यह उसके लिए ऐसी जगह है जहां सपने सच होते हैं। खुशी दुबे ने जुबली टॉकीज़ - शोहरत.शिद्दत.मोहब्बत में शिवांगी सावंत की भूमिका निभाने के बारे में अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, मैं इस कहानी को लेकर वाकई उत्साहित हूं! जब मैंने पहली बार यह कहानी सुनी तो मैं हैरान रह गई, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी इससे प्रभावित होंगे। संगम सिनेमा की रौनक लौटाने के अपने जुनून के साथ-साथ, शिवांगी का जीवन अप्रत्याशित मोड़ों से भरा है जो हर किसी को अपनी सीटों से बांधे रखेगी। यह किरदार मेरे लिए नई चुनौती है, और मुझे खास तौर पर शिवांगी का दृढ़संकल्प और अपने परिवार व सपनों के प्रति उसका अटूट समर्पण पसंद है। जुबली टॉकीज़ - शोहरत.शिद्दत.मोहब्बत का प्रीमियर जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर होने वाला है!

मताधिकार का प्रयोग करने में आगे रहे बॉलीवुड सितारे

मुंबई/एजेन्सी

लोकसभा चुनाव में के पांचवे चरण में सोमवार को मुंबई और उपनगरों की संसदीय सीटों पर मतदान करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों की गणमान्य हस्तियों के साथ बॉलीवुड सितारों ने भी अपने परिवार के साथ संबंधित मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मुंबई की छह सीटों सहित महाराष्ट्र की 13 लोकसभा सीटों पर मतदान जारी है। कवि-फिल्म निर्माता और ऑस्कर पुरस्कार विजेता गुलज़ार , सोनाली बेंद्रे, तब्बू, फरहान अख्तर, अनिल कपूर, जोया अख्तर, सुनील शेट्टी, धर्मेंद्र, हेमा मालिनी, ईशा देओल, गोविंद आहूजा, परेश रावल, शुभा खोटे, अक्षय कुमार, जान्हवी कपूर सहित अन्य सेलेब्स शबाना आजमी और अन्य नामी हस्तियों ने मुंबई और उसके उपनगरीय इलाकों के विभिन्न मतदान केंद्रों पर अपना वोट डाला। बॉलीवुड में 'खिलाड़ी कुमार' के नाम से मशहूर अक्षय कुमार मुंबई में लोकसभा चुनाव में अपना वोट डालने के लिए सुबह-सुबह निकले। कनाडा की नागरिकता वापस करने के बाद अक्षय का यह पहला मतदान है।

अक्षय ने पिछले साल अपनी भारतीय नागरिकता हासिल कर ली थी, इससे पहले वह कनाडा के नागरिक थे। उन्होंने अपनी स्याही लगी उंगली को गर्व से दिखाते हुए जनता से बड़ी संख्या में बाहर आने और मतदान करने की अपील की। शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पत्नी रश्मि, बेटे तेजस और आदित्य के साथ बांद्रा पूर्व के एक मतदान केंद्र पर मतदान करने आए। विभिन्न प्रमुख दलों के उम्मीदवार जैसे कांग्रेस के प्रो. वर्षा गायकवाड़ और भूषण पाटिल, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, अनिल वाई. देसाई, संजय दीना पाटिल, अमोल जी. कीर्तिकर, भाजपा के उज्ज्वल निकम, पीयूष गोयल, मिहिर कोटेचा, शिवसेना के रवींद्र वायकर, यामिनी वाई. जाधव, राहुल शेवाले और विभिन्न दलों के अन्य उम्मीदवारों या निर्दलीय उम्मीदवारों ने अपना वोट डाला।

हिन्दी में डब हुई 'लाल सलाम', 24 को होगा सिनेमाघरों में प्रदर्शन

मुंबई/एजेन्सी

इस साल की शुरुआत में रजनीकांत की फिल्म 'लाल सलाम' रिलीज हुई थी, जिसकी खूब चर्चा हुई। अब मेकर्स ने रजनीकांत की तमिल फिल्म 'लाल सलाम' को हिंदी भाषा में डब करके रिलीज करने का फैसला किया है। इसके अलावा फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

कार्मिक फिल्म्स ने ऐलान किया है कि रजनीकांत की 'लाल सलाम' हिंदी में 24 मई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म इस साल फरवरी महीने में तमिल भाषा आई थी। इसमें रजनीकांत ने मोइद्दीन भाई का किरदार निभाया था। उनकी अदाकारी की खूब चर्चा हुई थी। 'लाल सलाम' फिल्म का डायरेक्शन रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत ने किया था। वहीं, विष्णु विशाल और विक्रांत ने भी 'लाल सलाम' में अहम भूमिका निभाई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रजनीकांत की फिल्म 'लाल सलाम' 50 करोड़ के बजट में बनी थी। फिल्म में उनका रजनीकांत का 30 से 40 मिनट का कैमियो है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म में काम करने के लिए रजनीकांत ने 40 करोड़ रुपये की फीस ली थी। इन दिनों रजनीकांत अपनी नई फिल्म 'कुली' को लेकर चर्चा में छाए हुए हैं। इसको लोकेश कनगराज बना रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही फिल्म के टाइटल का ऐलान किया गया है। कोईमोई की रिपोर्ट के मुताबिक, 'कुली' के लिए रजनीकांत ने मेकर्स से 280 करोड़ की फीस वसूली है। चर्चा है कि इस फिल्म में रणवीर सिंह और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे सितारे नजर आएंगे। रजनीकांत की फिल्म 'कुली' अगले साल 2025 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

'गुल्लक' के चौथे सीजन का ऐलान, बनी पहली भारतीय वेब सीरीज

मुंबई/एजेन्सी

'द वायरल फीवर' 'पंचायत', 'कोटा फैक्ट्री', 'एस्पिरेंट्स', 'हॉस्टल डेज' और 'पिचर्स' जैसी सीरीज के लिए जाना जाता है। इन दिनों ढतऋ की 'पंचायत 3' सुर्खियों में बनी हुई है। इस वेब सीरीज की रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इन सब के बीच 'द वायरल फीवर' ने एक और लोकप्रिय सीरीज 'गुल्लक' के चौथे सीजन का ऐलान कर दिया है। 'गुल्लक 4' जल्द ही रिलीज होने के लिए तैयार है।

'द वायरल फीवर' ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर 'गुल्लक 4' का ऐलान किया। इस वीडियो को शेयर करते हुए मेकर्स लिखते हैं, 'मिश्रा परिवार के घर के नए किस्से देखने के लिए हो जाइए तैयार'। 'गुल्लक 4' के ऐलान के बाद से दर्शकों में गजब का उत्साह देखने को मिला है। ये पहली बड़ी भारतीय वेब सीरीज है जिसके चौथे सीजन का ऐलान किया गया है।

लाइट हार्टेड फैमिली एंटरटेनर शो 'गुल्लक' की हर वर्ग के दर्शकों के बीच लोकप्रियता है। श्रेयांश पांडे द्वारा निर्देशित इस शो ने बिना किसी बड़े स्टार और शो-शराबे के धीरे से दर्शकों के दिलों में घर किया है। इस वेब सीरीज में जमील खान, गीतांजलि कुलकर्णी, वैभव राज गुप्ता और हर्ष मायर अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।

वेब सीरीज 'गुल्लक' मिडिल क्लास मिश्रा परिवार की कहानी है। एक ऐसा परिवार जो एक-दूसरे से बहुत प्यार करता है, लेकिन समय-समय पर इन सबके बीच खूब तकरार भी देखने को मिलती है।

ये सीरीज हर आम मिडिल क्लास परिवार के इंसान के दिलों के तार को छेड़ता है और यही वजह है कि इस सीरीज को देशभर में इतना प्यार मिला है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 21-05-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

गुरु केवल भक्त परिवार द्वारा रविवार को उपाध्यायश्री केवलमुनिज की 30वीं पुण्यतिथि सामूहिक जाप, सामायिक साधना व गुरुगुणगान के साथ दोड्डनिकुंदी स्थित गौरक्षण गौशाला के प्रांगण में केवल आराधना स्थल पर साध्वीश्री सुशीलकंवरजी, चैतन्यश्रीजी की निश्रा में मनाया गया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर के सदस्यों ने आरआर नगर स्थित तारा ओल्ड एज होम में निवासित निराश्रितों को पवन भूरा परिवार के सौजन्य से भोजन कराया गया। परिषद मंत्री धर्मेश नाहर, सहमंत्री सरल पटावरी, विकाश छाजेड़ ने अन्नदान सेवा में सहयोग दिया।

प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जूनियर चैंबर इंटरनेशनल बेंगलूरु गार्डन सिटी के 17 सदस्यों ने कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) और एईडी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षक सीमा कपूर ने व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया और कार्डियक अटैक के बाद किसी की जान बचाने के तरीके सिखाए। परियोजना कार्यकारी नरेंद्र केएन, परियोजना प्रमुख अभिषेक बोरा, संयुक्त सचिव धीरज मलानी, सचिव नरेश गादिया और अध्यक्ष चेतन पोरवाल ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के जीतो सदस्यों ने भारी गर्मी व बारिश से बचाव के लिए ठेला व रेहड़ी लगाने वाले 10 जरुरतमंद लोगों को छाया छतरी प्रदान कर सहयोग किया। जीतो मैसूर के अध्यक्ष कांतिलाल जैन, कोषाध्यक्ष विनोद बाकलीवाल, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, सचिव प्रेम पालरेचा, यूथ विंग के अध्यक्ष पुनीत श्रीश्रीमाल, पुनित जुगराज आदि सदस्यों ने मानवसेवा कार्य किया।

श्रीलंका में हिंदू मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में इस्तेमाल किया गया सरयू नदी का पवित्र जल

कोलंबो/दक्षिण भारत। श्रीलंका में एक हिंदू मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में अयोध्या की सरयू नदी के पवित्र जल का इस्तेमाल किया गया। इस प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में हजारों लोग शामिल हुए। श्रीलंका के सीता एलिया गांव में सीता अम्मन मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्रीलंका में सीता अम्मन मंदिर के कुंभाभिषेकम कार्यक्रम में हजारों भारतीय, श्रीलंकाई और नेपाली श्रद्धालु शामिल हुए। इस प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा, आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। देवी सीता को समर्पित इस मंदिर का अभिषेक समारोह सरयू नदी के पवित्र जल से हुआ, जो भारत के अयोध्या से लाया गया था। श्रीलंका की एक वेबसाइट 'न्यूज फर्स्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक भगवान राम की जन्मभूमि माने जाने वाले अयोध्या और देवी सीता का जन्मस्थान माने जाने वाले नेपाल से सीता अम्मन मंदिर को पवित्र प्रसाद प्राप्त हुआ। भारत और श्रीलंका सहित दुनिया भर से श्रद्धालु इस समारोह को देखने और इसमें भाग लेने के लिए एकत्र हुए। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के समापन के अवसर पर देवी सीता के लिए भारत और नेपाल से भेजे गए वस्त्रों के अलावा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर से भेजी गई मिठाइयां और अन्य सामग्री भेंट की गईं।

बारिश

सोमवार को भारी बारिश के कारण देवनहल्ली के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर पानी भर गया।

'केवल' तन से दूर हैं, पर भक्तों के हृदय से दूर नहीं संतश्री केवलमुनि'

■ उपाध्यायश्री केवलमुनि की 30वीं पुण्यतिथि मनाई गई
■ मोहनलाल मुथा परिवार ने लिया कार्यक्रम का सम्पूर्ण लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गुरु केवल भक्त परिवार द्वारा रविवार को उपाध्यायश्री केवलमुनिज की 30वीं पुण्यतिथि सामूहिक जाप, सामायिक साधना व गुरुगुणगान के साथ दोड्डनिकुंदी स्थित गौरक्षण गौशाला के प्रांगण में केवल आराधना स्थल पर साध्वीश्री सुशीलकंवरजी, चैतन्यश्रीजी की निश्रा में मनाया गया। धर्म सभा का संचालन करते हुए अरुणा चौरड़िया ने उपाध्याय केवलमुनिजी को हित शिक्षा प्रेरक, सम्यक ज्ञान के प्रचारक तथा नारी शिक्षा उत्थान का मसीहा बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूज्य महासतियों के नवकार महामंत्र उच्चारण से किया गया। साध्वीश्री सुबोधिश्रीजी व धृतिश्रीजी द्वारा मारवाड़ी भाषा में गीत की प्रस्तुति दी। गुरुभक्त उत्तमचन्द कोठारी ने समस्त गुरु भक्त परिवार की तरफ से सभी का स्वागत किया। शांतिनगर की कल्पना मुथा ने गुरु महिमा गीत प्रस्तुत किया। वरिष्ठ पत्रकार गौतमचन्द ओस्तवाल ने उपाध्यायश्री केवलमुनिजी के बहुआयामी व्यक्तित्व का बखान करते हुए बेंगलूरु सिटी चिकपेट के सन 1992 व हलसूर के वर्ष 1993 के चातुर्मास की स्मृति गुणग्राही ढंग से प्रस्तुत की। उन्होंने पुण्योत्सव कार्यक्रम के लाभार्थी सिरेमल पानीबाई मुथा, स्व. मोहनलाल तरूणकुमार मुथा की स्मृति में मैनाबाई, कल्पना, महावीरचन्द, उषा-राजेशकुमार,जागृति-शंखेश मुथा परिवार का परिचय दिया। महावीर मुथा ने साध्वियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि साध्वियों ने लम्बा विहार कर यह सुअवसर हमारे परिवारको प्रदान किया।

महासती श्री चैतन्यश्रीजी ने 'है ये पावन भूमि, यहां बार बार आना' की गीतिका से प्रवचन प्रारम्भ किया। उन्होंने श्रीराम के प्रति केवट की प्रगाढ़ भक्ति का उदाहरण देते हुए केवल मुनि के पिता जवाहर, माता कुंकुम, परिवार कोठारी कुल की महिमा भी बताई। उन्होंने कहा कि पाप उदय आने पर जीवन फुटबाल की तरह होता है जो सबके पैरों से ठुकराया जाता है। जो श्रावण में जन्मता है वो शूरवीर होता है। केवलमुनिजी की दीक्षा पंचमी को हुई और पंच परमेष्ठी में स्थित हुए। मुनिश्री 500 कविताएं व भजन बनाए और कविवर्य केवलमुनिजी के हलाए। केवलमुनिजी उपन्यासकार व कहानीकार भी कहलाये। पूज्य महासती श्री सुशीलकंवरजी ने कहा कि ' फूल डाली से दूर हो गया, मगर खुशबू नहीं गई, गुरु ' केवल ' तन से दूर हो गए, पर भक्तों के हृदय से दूर नहीं हुए। अतः महापुरुष इसलिए महापुरुष कहलाते है। संतों ने हलसूर चातुर्मास में मोहनलाल मुथा का एतदर्थ उदाहरण दिया। उन्होंने यादगिरी का चातुर्मास व गुरु केवलमुनि के रायचूर चातुर्मास के संस्मरण भी सुनाये।

इस प्रसंग पर गुरु केवल भक्त परिवार द्वारा विहार सेवी टीमों का स्वागत सम्मान किया गया। प्रशस्ति पत्र का वाचन अभयकुमार बांठिया ने किया। इस प्रसंग पर रायचन्द छाजेड, किशनलाल कोठारी, प्रकाशचन्द मुथा, महावीरचन्दजी मरलेचा, प्रेमचन्द कोठारी, नेमीचन्द चोरड़िया, तखतराज बाफणा, अशोककुमार धोका, पदमचन्द आच्छा, संपतराज धारीवाल, महावीरचन्द धारीवाल, गौतमचन्द धारीवाल, रिखबचन्द मेहता, राममूर्तिनगर से रिखबचन्द सिंघवी, उत्तमचन्द मुथा, गुलाबचन्द पगारिया, पन्नालाल कोठारी, प्रेमचन्द खींचा आदि अनेक श्रद्धालुगण उपस्थित हुए।

इस अवसर पर अनेक विशिष्टजनों सहित लाभार्थी मुथा परिवार का सम्मान किया गया। राजेश गोलेच्छा ने सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पन्नालाल भरतकुमार कोठारी ने आगामी पुण्य महोत्सव के लाभार्थी बनने की घोषणा की। नन्दकिशोर कोठारी, पवन धारीवाल ने आभार व्यक्त किया।

कर्नावट बने आदिनाथ सर्वोत्तम सेवा मंडल के अध्यक्ष, बंदामुथा बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट चिकपेट के अंतर्गत संचालित संस्था आदिनाथ जैन सर्वोत्तम सेवा मंडल की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। नई कमेटी में रमेश कर्नावट को अध्यक्ष पद की तथा कैलाश बंदामुथा को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा प्रकाश सुन्देशमुथा को उपाध्यक्ष, तुषार सोलंकी को सहसचिव, महेन्द्र चौहान को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। उपस्थित जनों ने नई कार्यकारिणी समिति के सदस्यों को शुभकामनाएं दी।

संभवनाथ जैन मंडल, वीवी पुरम की नई कार्यकारिणी समिति गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंडल की रविवार को बैठक हुई जिसमें मंडल की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया जिसमें संतोष परमार को अध्यक्ष व महेन्द्र निंबजिया को सचिव बनाया गया। फूटरमल दांतेवाड़िया को उपाध्यक्ष, नितेश रायसोनी को सहसचिव, अशोक नाहर को कोषाध्यक्ष, अभिषेक भंडारी को कप्तान बनाया गया है।

इन्दरचन्द नाहर, चन्द्रकांत तातेड़, सुशील सोनेगरा, यशपाल नाहर, कल्पेश सोलंकी को कार्यकारिणी कमेटी में शामिल किया गया।

प्रभु कीर्तन व नाम स्मरण में जीवन का कल्याण है : आचार्यश्री महेन्द्रसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराड़। यहां के राजस्थान जैन श्वेताम्बर जैन संघ में पहुंचे आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी संघ का भावभीना स्वागत किया गया। संघ ने गुरुवर्यों का स्वागत सामैया से किया। इस मौके पर आयोजित प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा कि कीर्ति और तन की विस्मृति होती है तो कीर्तन सहज भाव से भीतर से उठता है। प्रभु भक्ति का सबसे सरल व सीधा मार्ग है प्रभु कीर्तन।

प्रभु का नाम हमें इस भवसागर से पार करा सकता है। कीर्तन का अर्थ होता है कि जो तन से किया जाएं वह कीर्तन। प्रभु कीर्तन व नाम स्मरण में जीवन का कल्याण है।

गाजा में इजराइल-हमास युद्ध के श्यों ने मेरा भी दिल तोड़ दिया: बाइडन

अटलांटा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को इजरायल-हमास युद्ध पर अमेरिकी छात्रों की पीड़ा को स्वीकार किया और ऐतिहासिक ब्लैक मोरहाउस कॉलेज के स्नातकों से कहा कि उन्होंने उनके विरोध की आवाजें सुनी हैं और गाजा में संघर्ष के दृश्यों ने उनका भी दिल तोड़ दिया। उन्होंने छात्रों से कहा, मैं शांतिपूर्ण अहिंसक विरोध प्रदर्शन का समर्थन करता हूं।

संसार शोकमय, जीवन भोगमय, शरीर रोगमय और संत समागम उपयोगमय है : आचार्यश्री प्रसन्नसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन भवन में रविवार को आचार्यश्री प्रसन्नसागर जी महाराज ने सामूहिक प्रतिक्रमण कराया जिसमें 500 से भी ज्यादा लोगों ने प्रतिक्रमण किया। गुरु के मुखारविंद से हुए इस प्रतिक्रमण में सबने अपने पापों का प्रायश्चित किया, अपने पापों को स्वीकार किया। एकेंद्रिय से पंचेन्द्रिय तक के सभी जीवों से जाने-अनजाने में हुए अपराधों के लिए क्षमा याचना की। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि बहुत प्यारा जीवन है, अपने मन में सुई की नोंक के बराबर भी बैर की गाँठ मत रखना। जो आया है, उसे जाना ही पड़ेगा । जब तक राग-द्वेष-मोह विद्यमान रहेगा,तब तक आना- जाना लगा रहेगा।

संसार का नियम है कि सुबह फूल खिलता है, शाम होते-होते मुरझा जाता है। जिसका जन्म होता है, उसकी मृत्यु निश्चित है। संसार शोकमय है, जीवन भोगमय है, शरीर रोगमय है, संत समागम उपयोगमय है। सोमवार को सुबह अहिंसा संस्कार पद यात्रा का शुभारंभ हैदराबाद के लिए हुआ। विहार करते हुए संतश्री हेब्बाल पहुंचे।

चार जून के बाद राहुल गांधी को 'कांग्रेस ढूंढ़ो यात्रा' निकालनी होगीः अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिसार। केंद्रीय गृहमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह ने सोमवार को कहा कि चार जून के बाद राहुल गांधी को 'कांग्रेस ढूंढ़ो यात्रा' निकालनी होगी क्योंकि इस सबसे पुरानी पार्टी को इस लोकसभा चुनाव में 40 सीट भी नहीं मिलेगी। हरियाणा के करनाल में एक रैली को संबोधित करने के बाद शाह ने हिसार में एक जनसभा में विभिन्न मोर्चों को लेकर कांग्रेस पर अपना प्रहार जारी रखा । हिसार में उन्होंने भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी रणजीत सिंह चौटाला के पक्ष में चुनाव प्रचार किया।

उन्होंने सभा में लोगों से सवाल किया कि क्या वे आम चुनाव के चार चरणों के बाद परिणाम जानना चाहते हैं और फिर उन्होंने जवाब दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा पहले ही 270 से अधिक सीट जीतकर बहुमत हासिल कर चुकी है। शाह ने कहा कि बाकी तीन चरणों के बाद भाजपा का सीट संख्या 400 के पार कर जाएगी। उन्होंने

दावा किया, शहजादों, दामादों-वाली कांग्रेस 40 सीट भी नहीं प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा , कांग्रेस के शहजादे राहुल बाबा ने भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी। (अब) चार जून के बाद राहुल बाबा को कांग्रेस ढ़ढ़ो यात्रा निकालनी होगी। कांग्रेस दूरबीन से भी नजर नहीं आयेगी। लोकसभा चुनाव के परिणाम चार जून को घोषित किये जाएंगे।

शाह ने कहा कि मोदी के 'विकास का कमल' हरियाणा में सर्वत्र खिल रहा है। उन्होंन कहा कि मतदाताओं के लिए एकतरफ कांग्रेस है जिसके शासन में 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले हुए थे तथा दूसरी तरफ मोदी हैं, जिन्होंने सालों तक गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में भी सेवा की लेकिन कोई 'उनपर 25पैसे का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा पाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ राहुल बाबा हैं जो 'चांदी के चम्मच' के साथ पैदा हुए और दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी हैं जिनका जन्म एक गरीब परिवार में हुआ। शाह ने कहा कि जब भारत में तापमान बढ़ जाता है तो गांधी थाईलैंड और बैंकाक चले जाते हैं । उन्होंने कहा, मेरे शब्दों को याद रख लीजिए, (चुनाव) परिणाम चार जून को घोषित किये जाएंगे और राहुल बाबा छह जून को छुट्टी मनाने निकल जायेंगे। उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ मोदी ने दो दशक से अधिक समय तक एक भी दिन बिना छुट्टी लिये काम किया है और इसमें उनका गुजरात के मुख्यमंत्री का कार्यकाल भी शामिल है। पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने कहा, आपको इन दोनों के बीच निर्णय लेना है। केंद्र की पिछली कांग्रेस नीत संप्रग सरकार पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा, हर रोज पाकिस्तान से आलिया, मालिया और जमालिया भारत में घुस आते थे, बम धमाके करते थे और (तत्कालीन प्रधानमंत्री) मनमोहन सिंह एक भी शब्द नहीं बोला करते थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com